Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 70 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 16 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

गणेश चतुर्थी के अवसर पर पीएम मोदी ने किए गणपति दर्शन

- पीयूष गोयल के घर पर पूजा-अर्चना में लिया हिस्सा
- प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नई दिल्ली स्थित आवास पहुंचे। उन्होंने गणपति बप्पा के दर्शन किए, पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया और आरती उतारी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर गणपति पूजा की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जी के आवास पर गणपति दर्शन के लिए गया। भगवान श्री गणेश सभी पर कृपा बनाए रखें। इस मौके पर प्रधानमंत्री महाराष्ट्र की पारंपरिक वेशभूषा में दिखे। उन्होंने धोती-कुर्ता पहना था और सिर पर महाराष्ट्र की पारंपरिक टोपी धारण की हुई थी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी एक्स पर प्रधानमंत्री के आगमन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि गणपति पूजन के अवसर पर प्रधानमंत्री का सान्निध्य मिलना उनके और उनके परिवार के लिए सौभाग्य की बात है। गोयल ने प्रार्थना की कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश सभी के जीवन से कष्टों को दूर करें और देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ने का आशीर्वाद दें। इससे पहले भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी पीयूष गोयल के आवास पर गए थे। उन्होंने गणपति बप्पा के दर्शन कर पूजा-अर्चना में भाग लिया और देशवासियों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

वहीं मुंबई में गृह मंत्री अमित शाह कई गणेश पंडालों में पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज मुंबई के प्रसिद्ध 'लालबागचा राजा' के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बने गणपति बप्पा के इस विराट स्वरूप के दर्शन की प्रतीक्षा पूरे वर्ष रहती है। विघ्नहर्ता सभी देशवासियों को सुख और समृद्धि का आशीर्वाद दें। गणपति बप्पा मोरया! इसके बाद गृह मंत्री महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के घर भी पहुंचे और गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उनके परिवार के कई सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे।

देश-दुनिया के गोल्फ मानचित्र पर नई पहचान बना रहा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री ने किया 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' की ट्रॉफी का अनावरण, गोल्फ में हाथ आजमाकर बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ तेजी से देश के उभरते स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार, प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। अब प्रोफेशनल गोल्फके बड़े टूर्नामेंट का नवा रायपुर में आयोजन इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगा और नवा रायपुर को देश-दुनिया के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतियोगिता की आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण किया तथा देश-विदेश से आए प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने गोल्फ कोर्स पर स्वयं गोल्फ में हाथ आजमाया और शानदार शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री को गोल्फ खेलते देखकर उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अतिथियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की मां नंदीग्राम से उम्मीदवार

- बंगाल चुनाव नतीजे के 2 दिन बाद चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई थी, सीएम ने ये सीट छोड़ी

कोलकाता। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नंदीग्राम से हसीरानी रथ और रेजीनगर से शाश्वर सरकार को टिकट दिया है। हसीरानी रथ सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास चंद्रनाथ को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। इस साल अप्रैल-मई में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीती थीं। तृणमूल कांग्रेस को 80 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। इन नतीजों के बाद ममता बनर्जी 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गईं। उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुट भी आमने-सामने हैं। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और रेजीनगर से सफीउज्जमान शेख को मैदान में उतारा है। वहीं ममता वाले गुट ने नंदीग्राम से संचिता प्रधान डे और रेजीनगर से पूर्व विधायक रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार बनाया है।

दोनों गुट खुद को असली टीएमसी बताते हुए 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिह्न पर दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों से अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं और 16 सितंबर तक जवाब देने को कहा है। अगर उपचुनाव से पहले आयोग इस विवाद पर फैसला नहीं कर पाता है, तो मौजूदा चुनाव चिह्न फ्रीज किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में दोनों गुटों को अलग नाम और चुनाव चिह्न के साथ मैदान में उतरना पड़ सकता है।

पीएम आवास पर भूपेश और विजय शर्मा की बहस

- बघेल बोले- केंद्र ने राशि रोकी, डिप्टी सीएम ने कहा- Grok से पूछिए, सच बताएगा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की सियासत में पहली बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के 2 बड़े नेता आज मंच पर आमने-सामने आए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच पीएम आवास को लेकर 1 घंटे 20 मिनट तक बहस चली। दोनों नेताओं ने आवास के अपने-अपने आंकड़े पेश किए।

रायपुर प्रेस क्लब से यह डिबेट लाइव दिखाई गई। इस दौरान अव्यवस्था को लेकर पत्रकारों ने भी नाराजगी जताई। बता दें कि दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर एक-दूसरे की चुनौती स्वीकार की थी। इसके बाद आज ओपन डिबेट तय की गई। भूपेश बघेल ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में करीब 7 लाख मकान बने। विजय शर्मा ने इसे झूठा बताते हुए दावा किया कि साय सरकार ने 18 लाख मकान स्वीकृत किए हैं। विजय शर्मा ने तहश्चय से सही जानकारी लेने की बात कही।

डिबेट में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- केंद्र ने 17 लाख 75 हजार आवास पूर्ण किए हैं, भारत सरकार की वेबसाइट में पूरे आंकड़े हैं। 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पीएम आवास बनाए। पिछली सरकार में वित्तीय वर्ष की स्वीकृति में आवास पूर्ण नहीं हुए थे। 5 वर्ष में वित्तीय स्वीकृति 3,900 करोड़ की थी, 3 लाख आवास कांग्रेस सरकार ने पूर्ण किए, जबकि 16 हजार करोड़ भाजपा सरकार ने ढाई वर्ष में खर्च किए।

युद्ध अभ्यास 2026: पहाड़ों से रेगिस्तान तक भारत-अमेरिका की सेनाओं का 'युद्ध अभ्यास'

- युद्ध कौशल और आधुनिक तकनीक की ताकत की परख

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सेनाएं एक बार फिर साथ मिलकर युद्ध कौशल और आधुनिक तकनीक की ताकत परख रही हैं। दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2026' का 22वां संस्करण मंगलवार को शुरू हुआ। इस बार इसकी खास बात यह है कि अभ्यास उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ी इलाके औली से लेकर राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज तक एक साथ चल रहा है।

औली में 14 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन ने जवानों से संवाद किया। वहीं अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने भी सैनिकों को संबोधित किया। अभ्यास में भारत और अमेरिका के करीब 600-600 सैन्यकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में दोनों सेनाएं पहाड़ी और अर्ध-पहाड़ी इलाकों में एकीकृत युद्ध समूहों के संचालन की क्षमता को मजबूत करेंगी। खास तौर पर पैदल सेना आधारित अभियानों पर ध्यान दिया जाएगा। सैनिक अलग-अलग परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर अभियान चलाने की रणनीति और तकनीक का अभ्यास करेंगे।

'युद्ध अभ्यास 2026' में आधुनिक तकनीक भी केंद्र में है। सैनिक निगरानी और टोह लेने के लिए ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों का इस्तेमाल करेंगे।

2,000 से ज्यादा यूपीआई पेमेंट पर चार्ज लगेगा

- किसी भी ट्रांजेक्शन पर 300 से ज्यादा नहीं ले सकेंगे
- नियम 15 अक्टूबर से होगा लागू

नई दिल्ली। यूपीआई से लेन-देन को लेकर बड़ी खबर है। सरकार 15 अक्टूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू करने जा रही है। इसके तहत, मर्चेंट्स को 2000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत शुल्क देना होगा और 75,000 रुपये या उससे ज्यादा के पेमेंट के लिए अधिकतम शुल्क 300 रुपये होगा। बता दें कि सरकार ने सोमवार को एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इस नोटिफिकेशन के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि 2000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाया जा सकता है। हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट किया था कि ग्राहकों से व्यापारियों को रुपे डेबिट कार्ड सहित 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। इसके अलावा, व्यक्तियों के बीच होने वाले सभी यूपीआई लेनदेन भी पहले की तरह मुफ्त बने रहेंगे। छोटे व्यापारियों को भी शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट का लाभ मिलता रहेगा। पर्सन-टू-मर्चेंट कैटेगरी के तहत छोटे कारोबारी यूपीआई क्यूआर के जरिए अपने बैंक खाते में हर महीने 1 लाख तक का भुगतान बिना शुल्क के प्राप्त कर सकेंगे। छोटे व्यापारियों के लिए अलग से फंड बनाया जाएगा। इसका इस्तेमाल मौजूदा व्यापारियों और टियर-3, उससे छोटे शहरों और बाजारों में डिजिटल भुगतान का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ कार्यक्रम' को किया संबोधित

- नई दिल्ली में डीआरडीओ-उद्योग सहयोग बैठक 'विमर्श' का शुभारंभ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 15 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में डीआरडीओ-उद्योग सहयोग बैठक 'विमर्श' के दौरान प्रमुख नीतिगत पहलों की शुरुआत की। इन पहलों में एमएसएमई और डीप-टेक स्टार्ट-अप उद्योगों के लिए तकनीकी और शुरुआती वित्तीय बाधाओं को कम करने के लिए एक व्यापक ढांचा शामिल है, जो प्रत्यक्ष वित्त पोषण, इंक्यूबेशन सहायता और डीआरडीओ परीक्षण सुविधाओं तक समर्पित पहुंच प्रदान करता है। सॉफ्टवेयर-संचालित रक्षा क्षमताओं और पुराने प्रबंधन में तेजी लाने के लिए लाइसेंसधारी उद्योगों के साथ डीआरडीओ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर सोर्स कोड साझा करने के लिए एक मानकीकृत, सुरक्षित ढांचा भी लॉन्च किया गया।

अत्याधुनिक प्रणालियों के वाणिज्यिक उत्पादन को सक्षम करने के लिए रक्षा मंत्री की उपस्थिति में 13 विनिर्माण भागीदारों को नौ (09) प्रौद्योगिकी हस्तांतरण लाइसेंसिंग समझौते (एलएटीओटीएस) सौंपे गए। उद्योग की पहुंच का विस्तार करने और जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) और लघु उद्योग भारती (एलयूबी) के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों का औपचारिक रूप से आदान-प्रदान किया गया। डीआरडीओ ने घरेलू रक्षा उद्यमों की विनिर्माण परिपक्वता को बेंचमार्क करने के लिए सिस्टम फॉर एडवांस मैन्युफैक्चरिंग असेसमेंट एंड रेटिंग (समर) वर्जन 2.0 के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद के साथ एक अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए।

अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि डीआरडीओ-उद्योग सहयोग अब केवल उत्पादन तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि भारत को रक्षा विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदलने के लिए अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण सहित पूरी मूल्य श्रृंखला में विस्तारित होना चाहिए। उन्होंने कहा, डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, उद्योग के पास पैमाना और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्ट-अप नवाचार और दक्षता लाते हैं और युवा एक नए भारत का सपना देखते हैं। जब ये चार ताकतें एकजुट होती हैं और एक साथ आगे बढ़ती हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विश्वकर्मा समाज सृष्टि के सच्चे शिल्पी, छत्तीसगढ़ पर भगवान विश्वकर्मा की विशेष कृपा: सांसद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को शहीद स्मारक भवन श्री विश्वकर्मा समाज द्वारा विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय समारोह के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पूरे विश्वकर्मा समाज और उपस्थित जनसमूह को विश्वकर्मा जयंती की बधाई दी और समाज के योगदान को सृष्टि के निर्माण की असली रीढ़ बताया।

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सांसद अग्रवाल ने कहा, ÷रामसागरपारा और बढ़ईपारा दोनों अलग नहीं हैं। हम बचपन के दौर से विश्वकर्मा समाज की कलाकारी और हुनर को देख रहे हैं। उस दौर में जब बैलगाड़ियां चलती थीं, तो सुबह 4 बजे से ही लकड़ी आनी शुरू हो जाती थी। बैलगाड़ी और उसके पहियों के निर्माण का काम हमारा यही

विश्वकर्मा समाज करता था और यहाँ से बने पहिए पूरे छत्तीसगढ़ में जाते थे। जिस परिवार में एक शिल्पकार या कलाकार होता है, उसके छोटे बच्चे भी सहज ही वह हुनर सीख जाते हैं और पूरा परिवार शिल्प साधना में जुट जाता है।÷

उन्होंने आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसी जमीनी हुनर की कद्र करते हुए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' शुरू की, ताकि हमारे लोहार, बढ़ई, स्वर्णकार और अन्य पारंपरिक शिल्पकारों को आधुनिक संबल और पहचान मिल सके।

छत्तीसगढ़ की खनिज और औद्योगिक शक्ति का उल्लेख करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा, ÷भगवान विश्वकर्मा ने पूरी सृष्टि की रचना की और आज उनके वंशज इस निर्माण परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। अब देश में रॉकेट और चंद्रयान बन रहे हैं। हमारे भिलाई स्टील प्लांट से निकली लोहे की चादरों से चंद्रयान, हवाई जहाज और रेलवे की पटरियां बन रही हैं। छत्तीसगढ़ पर भगवान विश्वकर्मा का विशेष आशीर्वाद है कि यहाँ लोहा, बॉक्साइट, एल्युमिनियम, पत्थर, बिजली, निकल और टिन सब मौजूद है। अब तो सोलर और मोबाइल बैटरी में काम आने वाला लिथियम भी हमारे कोरबा में मिल चुका है।

उन्होंने कहा कि जिस निर्माण की नींव में भगवान विश्वकर्मा की पूजा और आशीर्वाद होता है, वह निर्माण सदैव अटूट और मजबूत रहता है। सांसद अग्रवाल ने भव्य आयोजन के लिए आयोजकों का आभार जताते हुए सभी प्रदेशवासियों की समृद्धि और उन्नति की कामना की।

कार्यक्रम में विधायक श्री सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल विश्वकर्मा, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम अध्यक्षश्री लोकेश कावड़िया, समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

ओडिशा के पत्रकारों ने गेवरा खदान का किया दौरा

बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन और आधुनिक तकनीक की ली जानकारी

कोरबा (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के अंतरराज्यीय मीडिया एक्सपोजर टूर के तीसरे दिन ओडिशा से आए पत्रकारों के दल ने मंगलवार को कोरबा जिले में स्थित साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा खदान का दौरा किया। इस दौरान पत्रकारों ने बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन, आधुनिक खनन तकनीक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और कोयला परिवहन की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

गेवरा खदान पहुंचने पर पत्रकारों के दल का स्वागत एसईसीएल के महाप्रबंधक संजय मिश्रा और महाप्रबंधक (संचालन) धीरज चौधरी ने किया। संजय मिश्रा ने देश के विकास में कोयले की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी देश के ऊर्जा क्षेत्र की कल्पना कोयले के बिना नहीं की जा सकती। खाना पकाने के ईंधन से लेकर इंजन और औद्योगिक इकाइयों को ऊर्जा उपलब्ध कराने

तक कोयला आज भी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाप्रबंधक (संचालन) धीरज चौधरी ने पत्रकारों को गेवरा खदान के संचालन, कोयला उत्पादन, सुरक्षा उपायों और सुरक्षित एवं प्रभावी खनन के लिए अपनाई जा रही कार्यप्रणालियों की जानकारी दी। उन्होंने उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए किए जा रहे तकनीकी हस्तक्षेपों और प्रबंधन संबंधी उपायों से भी अवगत कराया।

दौरे के दौरान पत्रकारों ने खनन क्षेत्र में प्रवेश कर खदान की गतिविधियों को प्रत्यक्ष देखा। उन्होंने उच्च क्षमता वाली खनन मशीनरी, कोयला उत्खनन, ऊपरी मिट्टी एवं चट्टानी परतों को हटाने, कोयला प्रबंधन तथा परिवहन की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा। पत्रकारों को बताया गया कि गेवरा खदान वर्ष 2023-24 में 5.91 करोड़ टन कोयला उत्पादन के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खुली कोयला खदान रही है। यह खदान सात राज्यों को कोयले की आपूर्ति करती है और भारत के कुल कोयला उत्पादन में लगभग छह प्रतिशत का योगदान देती है।

पत्रकारों को सरफेस माइनर्स, रिपर तकनीक और शोवेल-डंपर संयोजन के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा, उत्पादन की निगरानी और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट डिजीकोल के तहत किए जा रहे डिजिटल हस्तक्षेपों से अवगत कराया गया।

एसईसीएल की भविष्य की उत्पादन योजनाओं की जानकारी देते हुए धीरज चौधरी ने कहा कि कंपनी अगले वर्ष दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कोयला निकासी को अधिक प्रभावी बनाने के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी के अंतर्गत कन्वेयर प्रणाली और रैपिड लोडिंग साइलो की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

दौरे के दौरान एसईसीएल की पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहलों की जानकारी भी दी गई। इनमें वनीकरण, मियावाकी पद्धति से पौधरोपण, धूल नियंत्रण, खदान के पानी का प्रबंधन और भूमि पुनर्वास जैसे उपाय शामिल हैं।

भाजपा प्रवक्ता ठाकुर ने कांग्रेस पर किया हमला

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

दीपक बैज के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित खुली बहस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के झूठे दावों की कलई पूरी तरह खुल चुकी है। जनता के सामने हुई इस खुली डिबेट में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ठोस तथ्यों और प्रमाणों के साथ भूपेश बघेल को निरुत्तर कर दिया। श्री ठाकुर ने कहा कि अब अपनी इस ऐतिहासिक फजीहत से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज हताशा में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि बैज बताएँ कि गुब्बारा किसका फूटा है? प्रदेश की जनता अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस शासनकाल के पाँच वर्षों में 18 लाख गरीब परिवारों के सिर की छत छीनने का पाप कांग्रेस की भूपेश सरकार ने किया था। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा स्वीकृत आवासों के राज्यांश को रोककर गरीबों के आशियाने पर ताला लगाने वाले आज किस नैतिकता से बात कर रहे हैं? श्री ठाकुर ने आँकड़ों और तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जब सदन और शासन के आधिकारिक दस्तावेज सामने रखे, तो बघेल के पास कोई ठोस जवाब नहीं था

आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं ने विकसित किया 4D-प्रिंटेबल स्मार्ट हाइड्रोजेल

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के शोधकर्ताओं ने एक बहुउद्देशीय स्मार्ट हाइड्रोजेल विकसित किया है, जो गर्म करने पर अपना आकार बदलने के साथ-साथ अपशिष्ट जल से विभिन्न प्रदूषकों को हटाने में भी सक्षम है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह नई सामग्री भविष्य में सॉफ्ट रोबोटिक्स, स्मार्ट एक्ट्यूएटर्स और पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकती है। शोध दल में सुदीप्ता पॉल, प्रियंक सिन्हा, अमूल जैन और डॉ. संजीब बनर्जी शामिल हैं।

शोधकर्ताओं ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए फोर-आर्म स्टार पॉलिमर को ऐक्रेलिक एसिड, ऐक्रेलामाइड और पॉलीएथिलीन ग्लाइकोल डायएक्रिलेट (पीईजीडीए) के साथ मिलाकर

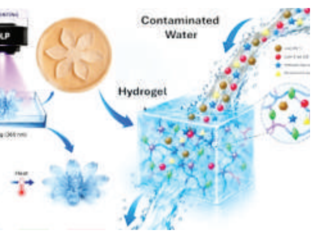

यह हाइड्रोजेल तैयार किया है। इसे पराबैंगनी-ए (यूवीए) प्रकाश की सहायता से तेजी से तैयार किया जा सकता है और विभिन्न संरचनाओं में ढाला जा सकता है। इससे भविष्य में प्रोग्राम किए गए आकार में परिवर्तन करने वाले स्मार्ट उपकरणों और 4ष्ठ-प्रिंटेबल संरचनाओं के निर्माण की संभावनाएं बढ़ती हैं।

इस हाइड्रोजेल की प्रमुख विशेषता इसका शेप-मेमोरी यानी आकार-स्मृति व्यवहार है। शोधकर्ताओं ने फूल जैसी संरचना के माध्यम से इसका प्रदर्शन किया, जो गर्म करने पर खुल जाती है। प्रयोगों में हाइड्रोजेल ने लगभग 94 प्रतिशत शेप फिक्सिटी और 85 प्रतिशत शेप रिकवरी दर्ज की तथा लगभग 25 सेकंड में अपने प्रोग्राम किए गए आकार में वापस आ गया। बार-बार किए गए आकार-परिवर्तन चक्रों के दौरान भी सामग्री ने अपना प्रदर्शन बनाए रखा।हाइड्रोजेल ने मजबूत यांत्रिक क्षमता का भी प्रदर्शन किया। एक प्रयोग में केवल एक ग्राम सूखे हाइड्रोजेल ने 250 ग्राम के धातु भार को बार-बार उठाने की क्षमता दिखाई। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह क्षमता हल्के और ऊर्जा-कुशल सॉफ्ट एक्ट्यूएटर्स तथा रोबोटिक प्रणालियों के विकास के लिए इसकी उपयोगिता को दर्शाती है।इस सामग्री की जल शुद्धिकरण क्षमता का भी परीक्षण किया गया। प्रयोगों में हाइड्रोजेल ने पानी से मेथिलीन ब्लू, रोडामाइन बी और ईओसिन बी जैसे कार्बनिक रंगों के साथ-साथ विषैले लेड (क्ष्ड्ढ?) आयनों को हटाने की क्षमता प्रदर्शित की। आकार बदलने की क्षमता, यांत्रिक मजबूती और जल से प्रदूषकों को हटाने की क्षमता का एक ही सामग्री में संयोजन इसे बहुउद्देशीय अनुप्रयोगों के लिए विशेष रूप से संभावनाशील बनाता है।

यह शोध पीयर-रिव्यू वैज्ञानिक जर्नल स्द्बड्डद्य स्द्धह्लद्धश्स्नह्य में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं के अनुसार, विकसित हाइड्रोजेल प्लेटफॉर्म भविष्य में ऐसे स्मार्ट और 4ष्ठ-प्रिंटेबल पदार्थों के विकास का आधार बन सकता है।

वेस्ट जोन में गणेशोत्सव पर दोहरा सुरक्षा घेरा

रायपुर (विश्व परिवार)। गणेशोत्सव पर्व के दौरान शहर में सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिनांक 15.09.2026 की संध्या को वेस्ट जोन में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें डीसीपी (वेस्ट जोन) श्री रॉबिन्सन गुड़िया एवं एडीसीपी श्री राहुल देव शर्मा स्वयं गश्त में शामिल हुए। सहायक पुलिस आयुक्त श्री ईशू अग्रवाल एवं श्री देवांश राठौर भी अपने-अपने क्षेत्रों की बाइक टीमों के साथ मौके पर मौजूद रहे। थाना प्रभारी आजाद चौक श्रीमती अर्चना धुरंधर, थाना प्रभारी सरस्वती नगर श्री पारस पटेल एवं थाना प्रभारी पुरानी बस्ती श्री विनय सिंह बघेल भी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बल लेकर व्यक्तिगत रूप से गश्त में उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों की प्रत्यक्ष उपस्थिति के साथ बाइक टीमों ने उन क्षेत्रों में गश्त की जहां चार पहिया वाहन नहीं पहुंच पाते – पंडालों के पीछे की तंग गलियां, ठेला-बाजार, घनी आबादी वाले मोहल्ले। भारी पुलिस बल के साथ हुई इस गश्त ने त्योहार की भीड़ में पुलिस की मौजूदगी को स्पष्ट रूप से महसूस कराया। संदिग्ध घूमते व्यक्तियों, सार्वजनिक स्थल पर शराबखोरी और महिलाओं से छेड़छाड़ की आशंका वाले स्थलों की विशेष रूप से जांच की गई।

जमीन पर गश्त के साथ-साथ आसमान से भी नजर रखी गई। प्रमुख पंडालों, बाजारों एवं व्यस्त चौराहों के ऊपर ड्रोन उड़ाकर लाइव निगरानी की गई। भीड़ का जमावड़ा कहां बढ़ रहा है, कहां वाहनों की कतार लंबी हो रही है – यह सब जमीन से पहचानने में जो समय लगता, ड्रोन ने वह चंद सेकंडों में स्पष्ट

कर दिया। इसी आधार पर संबंधित बिंदुओं पर तत्काल बल भेजकर यातायात सुचारू कराया गया। विसर्जन मार्गों पर भी ड्रोन की नजर बनी रही।वरिष्ठ अधिकारियों की स्वयं की मौजूदगी, बड़ी संख्या में तैनात बल, जमीन पर बाइक गश्त और आसमान से ड्रोन निगरानी – इस चार-स्तरीय व्यवस्था ने गणेशोत्सव की भीड़ के बीच भी रायपुर पुलिस, वेस्ट जोन की चौकसी को हर गली और हर चौराहे तक पहुंचाया। यह अभियान पर्व की समाप्ति तक इसी तत्परता के साथ प्रतिदिन जारी रहेगा।रायपुर पुलिस, वेस्ट जोन नागरिकों से अपील करती है कि पंडाल समितियां वॉलंटियर्स की सूची संबंधित थाने में उपलब्ध करायें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 पर दें, तथा यातायात नियमों का पालन कर प्रशासन को सहयोग दें।प्र- डीसीपी (वेस्ट जोन) श्री रॉबिन्सन गुड़िया एवं एडीसीपी श्री राहुल देव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी स्वयं गश्त में शामिल रहे

सरगुजा संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनर्स के चौथे चरण के प्रशिक्षण शिविर

अंबिकापुर (विश्व परिवार)। आज अंबिकापुर में संगठन सृजन अभियान के तहत सरगुजा संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनर्स के चौथे चरण के प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री दीपक बैज जी, पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव जी, पूर्व मंत्री श्री अमरजीत भगत जी, डॉ.

प्रेमसाय सिंह टेकाम जी सहित पधारे अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।तत्पश्चात सभी वरिष्ठजनों के साथ दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ किया।प्रशिक्षण और संवाद के माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का हमारा संकल्प निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत बिश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

फोन नं. 07775-265344 फेक्स नं. 07775-265344 ईमेल : / nagarpanchayatbishrampur@yahoo.in

क्रमांक 508 / राज./ न.पं./2026-27 बिश्रामपुर दिनांक 15-9-26

दुकान नामांतरण दावा/आपत्ति सूचना

नगर पंचायत बिश्रामपुर स्वामित्व की दुकान नीचे दर्शित अनुसूची अनुसार आवेदक द्वारा दुकान का नामांतरण/ हस्तांतरण अन्य को किये जाने के संबंध आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त नामांतरण के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो सम्पूर्ण जानकारी के साथ 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे कार्यालयीन समयावधि मे दावा / आपत्ति कर सकते है निर्धारित समयवधि के प चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

क्र.	दुकान का स्थल	दुकान क्र.	आबंटित का नाम	नामांतरित का नाम
1.	प्रतिक्षा बस स्टैण्ड बिश्रामपुर	05	श्रीमती लक्ष्मी त्रिपाठी पति स्व. भगवान त्रिपाठी	श्रीमती ममता सिंह पति श्री अखिलेश सिंह

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत बिश्रामपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रायपुर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के कारण यात्रियों की सुविधा हेतु वैकल्पिक मार्ग

आरक्षण केंद्र के पास अस्थाई मुख्य प्रवेश द्वार

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के रायपुर स्टेशन पर मेजर स्टेशन रिडेवलपमेंट एवं पुनर्विकास कार्य प्रगतिशील हैं। इन विकास कार्यों के दौरान यात्री परिचालन प्रभावित न हो तथा यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से मिलती रहें, इसके लिए रेलवे द्वारा लगातार आवश्यक व्यवस्थाएं एवं वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यात्रियों के सुगम आवागमन एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में स्टेशन के शहर साइड स्थित मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर-02 पर निर्माण कार्य के लिए घेराबंदी की गई है । यह व्यवस्था स्टेशन के पुनर्विकास एवं निर्माण कार्यों को सुरक्षित एवं सुचारू रूप से पूरा करने के लिए की गई है।आरक्षित टिकट वाले यात्री इस मार्ग से स्टेशन परिसर में प्रवेश कर सीधे या फुट ओवर ब्रिज (स्नह्रक्च) का उपयोग करते हुए अपने निर्धारित प्लेटफॉर्म तक पहुंचकर अपनी ट्रेन में सवार हो सकते हैं। अनारक्षित टिकट पर यात्रा करने वाले यात्री आरक्षण केंद्र भवन में स्थित अनारक्षित टिकट केंद्र , ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन तथा रेलवन ऐप के माध्यम से अपना अनारक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं और निर्धारित मार्ग से अपने प्लेटफॉर्म पर पहुंचकर ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। तेलघानी नाका साइड से रायपुर स्टेशन आने वाले यात्री अपने दो पहिया वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल में पार्क कर सकते हैं। यात्रियों के आवागमन के लिए रेलवे आरक्षण केंद्र भवन के पास एक अस्थायी मुख्य प्रवेश और निकास द्वार बनाया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35305/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35305
वार्ड का नाम-12 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR229I00039 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SARIKA NATHANI पिता/पति श्री/श्रीमती W/O SAURABH NATHANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SMT. URMILA CHOPDA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O SHRI NEERAJ CHOPDA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35365/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 14-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35365
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-RPR447C00287 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती PRITAM SINGH ,PYARA SINGH , JAGDISH SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती BAKSHI SINGH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती JAGDISH SINGH KALASH पिता/पति श्री/श्रीमती BAKSHI SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34494/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34494
वार्ड का नाम-09- पं. मोती लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 09 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226V01088 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती USHA SHARDA पिता/पति, श्री/श्रीमती GOPAL SHARDA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती VIVEK SHARDA पिता/पति, श्री/श्रीमती GOPAL SHARDA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ WILL / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /35270/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35270
वार्ड का नाम-09- पं. मोती लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 09 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR227V1035Z जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती M/S H.R DEVELOPERS RAIPUR JAGDISH PRASAD AGRAWAL S/O RAMRICHH PAL AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती RAMRICHH PAL AGRAWAL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RITESH BAJAJ पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE BHAGCHAND BAJAJ ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 436 दिनांक 11.09.2026
वार्ड का नाम- डॉ. खुबचंद बघेल वार्ड
वार्ड क्र. 35 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 35 मांग **पंजी क्र. 267 युआईडी 28253** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **लाला राम वर्मा / नरेश वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **घनश्याम वर्मा, लाला राम वर्मा, सुभद्रा वर्मा/लाला राम वर्मा, स्व. नरेश वर्मा, लाला राम वर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **26-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर, रायपुर में निर्मित सिरपुर** परिसर के अतंर्गत, दुकानों में से दुकान क्रमांक-02, में **श्री वेणु गोपाल राव पिता श्री उमेश राव** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक** 10.02.2012 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त दुकान के विक्रय हेतु **दिनांक** 08.09.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त दुकान **क्रेता शमसेर खान पिता स्व. अजीज खान** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त दुकान के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

जनभागीदारी से सफल होगा सेवा संकल्प अभियान

हर गांव और हर नागरिक तक पहुंचे सेवा और सुशासन का संदेश - मंत्री बघेल

अभियान से जुड़ेगा हर वर्ग, योजनाओं की मिलेगी जानकारी

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) -खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सूरजपुर जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनभागीदारी के साथ सेवा संकल्प अभियान को जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत, हर नागरिक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कहानी बदलाव की को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों को बताएं कि पहले परिस्थितियां कैसी थीं और आज विकास एवं जनकल्याण की दिशा में क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही अभियान की सार्थकता है।

मंत्री ने पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बेहतर एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान सरकार, आपके द्वार सहित जनहित से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि सभी कार्यक्रमों को भव्य, गरिमामय एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाएं, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे।

उन्होंने पदाधिकारियों एवं अधिकारियों से कहा कि सभी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान की गतिविधियों को सफल बनाएं। विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने जिले में सेवा संकल्प अभियान का सफल एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों को क्रमवार विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

बैठक मे वनमंडलाधिकारी श्री विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

पति की लंबी उम्र एवं स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला हरतालिक तीज व्रत

कुंवारी कन्याओं ने भी मनचाहा पति पाने हेतु भगवान शंकर एवं मां पार्वती का रखा निर्जला व्रत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिला के विभिन्न क्षेत्रों में हरतालिका तीज एवं गणेश चतुर्दशी मनाया गया जहां लोगों ने गणेश प्रतिमाएं स्थापित कर किया भगवान श्री गणेश की पूजा एवं कुंवारी लड़कियां एवं सुहागिन महिलाओं ने पति की लम्बी उम्र एवं स्वास्थ्य समृद्धि के लिए हरतालिका व्रत रखा।

जानकारी के अनुसार हरतालिका तीज सनातन धर्म में महिलाओं एवं कुंवारी लड़कियों के लिए एक प्रमुख त्योहार है। कुंवारी कन्याएं अच्छे पति की कामना लिए यह व्रत करती है दूसरी तरफ सुहागिन महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की लंबी उम्र, स्वास्थ एवं स्वास्थ्य के लिए निर्जला व्रत करती है। हिंदी पंचांग के अनुसार यह व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। सुहागिन महिलाएं एवं कुंवारी कन्याएं निर्जला व्रत पूरे दिन और रात बिना जल ग्रहण किए उपवास रखती हैं। भगवान शंकर एवं पार्वती जी की पूजा पाठ करने के लिए बालू , गाय का गोबर या मिट्टी से शिव-पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा बनाकर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रों के साथ से पूजा की जाती है।

इस संबंध में श्रीनगर निवासी श्रीमती रुक्मिणी देवी व्रत के संबंध में बताती है कि इस दिन रात्रि जागरण किया जाता है, भजन-कीर्तन होते हैं और हरतालिका तीज की कथा सुनी जाती है। इन्होंने आगे बताया कि व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए किया था। विवाहित महिलाएं सुहाग की रक्षा के लिए और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने के लिए यह व्रत रखती हैं। व्रत धारी श्रीमती राखी सिंह रिंकी ने बताया कि जिन महिलाओं का अच्छा पति प्राप्त नहीं हुआ है अगले जन्म में अच्छा एवं विद्वान पति की इच्छा रखने वाली महिलाएं इस कठिन व्रत को करती है। बरहाल हरतालिका तीज त्योहार में महिलाएं पूरे भारतीय परिधान में 16 श्रृंगार करके भगवान शंकर एवं माता पार्वती जी का पूजा अर्चना करती है।

वोल्वो सीई ने बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 में ईसी650 माइनिंग एक्सकेवेटर किया लॉन्च, कंस्ट्रक्शन और माइनिंग इक्विपमेंट सॉल्यूशंस की व्यापक रेंज की पेशकश

वोल्वो कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडिया ने बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 में अपनी माइनिंग लाइन-अप में एक महत्वपूर्ण नए मॉडल के रूप में 65-टन क्लास के एक्सकेवेटर ईसी650 को कमर्शियल तौर पर लॉन्च किया। लोकप्रिय वोल्वो ष्13श्व इंजन, जो 435 एचपी की पावर देता है, से लैस ईसी650 को बेहतर ड्यूरेबिलिटी और बेस्ट-इन-क्लास फ्यूल एफिशिएंसी के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें मजबूत अंडरकैरेज, हेवी-ड्यूटी बूम और आर्म के साथ एडवांस्ड हाइड्रॉलिक्स दिए गए हैं, जो बड़े पैमाने पर अर्थमूविंग और माइनिंग के सबसे चुनौतीपूर्ण एप्लिकेशंस को संभालने के लिए तैयार किए गए हैं। खरीदारी का सीजन शुरू होने के साथ ही यह प्रोडक्ट माइनिंग ग्राहकों के लिए तुरंत डिलीवरी के लिए उपलब्ध है। यह वोल्वो की Equipment-as-a-Service पेशकश के माध्यम से भी उपलब्ध होगा, जो एडवांस्ड माइनिंग और कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशंस को तेजी से अपनाने में ग्राहकों की मदद करने के लिए कंपनी के कस्टमर-सेंट्रिक अप्रोच को और मजबूत करता है। मशीन से आगे बढ़ते हुए, वोल्वो पूरे इक्विपमेंट लाइफसाइकिल के दौरान ग्राहकों को सपोर्ट करेगा। इसमें कनेक्टेड सर्विसेज, प्रोडक्टिविटी सॉल्यूशंस, रिपेयर और मेंटेनेंस एग्रीमेंट्स तथा एप्लिकेशन-आधारित ऑफरिंग्स शामिल हैं। इन समाधानों के जरिए अपटाइम, एफिशिएंसी और साइट की ओवरऑल परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही, ये भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और 'विकसित भारत' के विजन को आगे बढ़ाने में भी योगदान देंगे। कंस्ट्रक्शन एंड इंडस्ट्रियल ज़ोन में वोल्वो सीई के स्टैंड के केंद्र में इसकी 20-टन क्लास की व्यापक एक्सकेवेटर रेंज ईसी210, ईसी215 और ईसी220 है। ये मशीनें रोड कंस्ट्रक्शन, अर्बन कंस्ट्रक्शन, क्वॉरिंग, रिवर-बेड माइनिंग जैसे अलग-अलग एप्लिकेशंस में शानदार वर्सेटिलिटी प्रदान करती हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत रिक्त पदों पर परीक्षा तिथि घोषित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़ के अधीनस्थ विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 17 प्रकार की पदों के लिए 85 रिक्त पदों पर नियुक्ति लिखित/कौशल परीक्षा, परीक्षार्थियों के लिए 23 एवं 24 सितम्बर 2026 प्रातः 10:00 बजे से लाईवलीहुड कॉलेज सूरजपुर में लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी। इसके साथ ही 25 सितम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज सूरजपुर में कम्प्यूटर कौशल परीक्षा आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा में बैठने हेतु परीक्षार्थी निर्धारित तिथि को परीक्षा से 30 मिनट पूर्व परीक्षा हॉल में उपस्थित होकर जिला सूरजपुर के शासकीय वेबसाइट www.surajpur.nic.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

सेवा संकल्प अभियान में युवाओं की भागीदारी से जले सेवा का दीप

मनीषा ने युवा साथियों से की भागीदारी निभाने की अपील

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर जिले में भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अभियान को लेकर सूरजपुर जिले की निवासी सुश्री मनीषा कसेरा ने जिलेवासियों और विशेष रूप से युवा साथियों से इसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने की अपील की है। मनीषा कसेरा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सूरजपुर जिले के सभी युवा साथियों से विनम्र अपील करते हुए कहा कि 17 सितंबर से जिले में शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान में सभी युवा साथी सक्रिय भागीदारी निभाएं और दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान को सफल बनाने में पना योगदान दें। मनीषा कसेरा ने कहा कि युवाओं की सहभागिता किसी भी अभियान को नई ऊर्जा और गति प्रदान करती है। सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना के साथ युवा साथी आगे आएं और सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता और समयसीमा का रखें ध्यान, बस्तर की कला-संस्कृति को नई पहचान देगा निर्माणाधीन बस्तर कला केंद्र : महापौर संजय पाण्डेय

धरमपुरा में विकास की रफ्तार पर महापौर की नजर, सड़क चौड़ीकरण से बस्तर कला केंद्र तक निरीक्षण

जगदलपुर। शहर के धरमपुरा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य को गति देने के साथ-साथ बस्तर की कला-संस्कृति को नया मंच देने की तैयारियों ने भी जोर पकड़ लिया है। महापौर संजय पांडे ने धरमपुरा पहुंचकर सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर निर्माण की प्रगति, सड़क की स्थिति और कार्य से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी अधिकारियों से ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महापौर ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और निर्माण के बाद लंबे समय तक सड़क की उपयोगिता बनी रहे, इसके लिए तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया।

सड़क चौड़ीकरण से आवागमन होगा आसान- धरमपुरा शहर के महत्वपूर्ण शैक्षणिक और संस्थागत क्षेत्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। यहां काकतीय पीजी कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक सहित कई प्रमुख संस्थान स्थित हैं। ऐसे में क्षेत्र की सड़कों पर यातायात का दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। दलपत सागर से अनुपमा चौक और दलपत सागर से दामोदर पेट्रोलपम्प तक भी हो रहे चौड़ीकरण और नालियों के संबंध में भी जानकारी ली गई । नाली के ऊपर एक पुराने आवास को भी व्यवस्थापन के तहत आवास देने हेतु नगर निगम आयुक्त से कहा गया है।

महापौर ने कहा कि शहर के विकास का अर्थ केवल नई इमारतें खड़ी करना नहीं, बल्कि बेहतर सड़क, सुगम यातायात, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। धरमपुरा क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण इसी व्यापक विकास दृष्टिकोण का हिस्सा है।

निर्माणाधीन बस्तर कला केन्द्र का भी लिया जायजा- महापौर संजय पांडे ने निर्माणाधीन बस्तर कला केंद्र भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से परियोजना के स्वरूप और आगामी कार्यों के संबंध में चर्चा की।

उन्होंने कहा कि बस्तर केवल प्राकृतिक संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जनजातीय कला, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। ऐसे में शहर में ऐसा मंच विकसित होना जरूरी है, जहां स्थानीय कलाकारों और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने के अवसर मिल सकें।

महापौर ने कहा कि ÷जगदलपुर को ऐसा शहर बनाना है, जहां आधुनिक विकास के साथ बस्तर की पहचान और संस्कृति भी मजबूती से दिखाई दे। सड़क, नाली और मूलभूत सुविधाओं के विकास के साथ कला-संस्कृति के लिए बेहतर अधोसंरचना तैयार करना भी नगर विकास की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि बस्तर की कला को बड़े मंच और बेहतर अवसर मिलने से स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा नई पीढ़ी भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ सकेगी। बस्तर की कला और सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच देने की दिशा में जिला स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं।

विकास और विरासत का बनेगा संगम- धरमपुरा में सड़क चौड़ीकरण और बस्तर कला मंच का निरीक्षण एक साथ किए जाने को शहर के भौतिक विकास और सांस्कृतिक पहचान को साथ लेकर चलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। महापौर ने अधिकारियों को दोनों कार्यों में गति बनाए रखने और जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सवा लाख दीयों से जगमगाएगा जगदलपुर

माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर एवं सिरहासार चौक में 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य आगाज

जगदलपुर/ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक व प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में 'सेवा संकल्प अभियान' की ऐतिहासिक शुरुआत होने जा रही है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत नगर के हृदय स्थल माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर एवं सिरहासार चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहाँ एक साथ सवा लाख दीये प्रज्वलित कर पूरे परिसर को अलौकिक रोशनी से सराबोर किया जाएगा। इस विशाल आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने तथा तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से मंगलवार को महापौर श्री संजय पाण्डे, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने संयुक्त रूप से सिरहासार चौक का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच सज्जा, दीप प्रज्वलन की श्रृंखला तथा जनसहभागिता के सुगम आवागमन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पूरे एक माह चलने वाले इस सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनसेवा पहुँचाना है, जिसके तहत बस्तर भर में स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक सरोकार के कार्य और विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर एवं सिरहासार चौक पर सवा लाख दीपों का यह प्रज्वलन न केवल प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल के प्रति कृतज्ञता प्रकट करेगा, बल्कि बस्तर में शांति, विकास और जनसहभागिता के एक नए युग का उल्लास भी बिखेरेगा।

क्रॉम्पटन ने नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज पेश की

रायपुर : जैसे-जैसे आउटडोर स्पेस घर का विस्तार बनते जा रहे हैं, उन्हें आकर्षक रूप देने और बेहतर माहौल तैयार करने में लाइटिंग की भूमिका भी बढ़ रही है। इसी बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, क्वालिटी और इनोवेटिव लाइटिंग सॉल्यूशंस के लिए पहचानी जाने वाली क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपनी नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज पेश की है। समकालीन सौंदर्य, टिकाऊपन और उपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह रेंज आधुनिक आउटडोर स्पेस के लिए प्रीमियम लाइटिंग अनुभव प्रदान करती है। उपभोक्ता अब ऐसे आउटडोर लाइटिंग सॉल्यूशन की तलाश में हैं जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ उनके आस-पास के माहौल के अनुकूल भी हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए क्रॉम्पटन की वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज, आधुनिक डिजाइन को आउटडोर उपयोग के लिए तैयार फीचर्स के साथ जोड़ती है, जो कई तरह की जगहों के माहौल, रूप और उपयोगिता को बेहतर बनाने में मदद करती है। यह रेंज बालकनी, पोर्च, पूलसाइड एरिया, लॉबी और पार्किंग एरिया के साथ-साथ एक्सेंट और डिस्प्ले लाइटिंग के लिए भी उपयुक्त है। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में लाइटिंग, सोलर रूफटॉप एवं वायर्स बिजनेस यूनिट के हेड श्री शालीन नायक ने कहा, ÷ क्रॉम्पटन में हमारा मानना है कि लाइटिंग का काम सिर्फ किसी जगह को रोशन करना नहीं है, बल्कि उसके रूप, एहसास और अनुभव को भी बेहतर बनाना है। जैसे-जैसे आधुनिक घरों में आउटडोर एरिया अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, उपभोक्ता ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें डिज़ाइन, उपयोगिता और टिकाऊपन एक साथ मिले। वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज के साथ, हमने समकालीन सौंदर्य और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को मिलाकर ऐसी लाइटिंग तैयार की है जो कई तरह की आउटडोर जगहों के माहौल के साथ सहज रूप से मेल खाए। यह लॉन्च हमारी उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम बदलती उपभोक्ता जरूरतों के अनुरूप सोच-समझकर तैयार किए गए लाइटिंग सॉल्यूशंस विकसित करते हैं और रोजमर्रा की जगहों में और बेहतर बनाते हैं। क्रॉम्पटन की वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज में अलग-अलग डिजाइन और जरूरतों के अनुरूप कई उत्पाद हैं, जो उपभोक्ताओं के आउटडोर लाइटिंग अनुभव को बेहतर बनाते हैं: वॉलस्माइल लिनियाः स्लीक और बेलनाकार डिजाइन के साथ ' लिनिया ' बाहरी दीवारों को एक शानदार और आधुनिक रुप देती है। 6ङ्ख की यह वॉल लाइट आधुनिक बाहरी सजावट के साथ अच्छी तरह मेल खाती है और साथ ही एक हल्का सजावटी स्पर्श भी जोड़ती है ।

दैनिक विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 16 सितंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

सोनिया गांधी का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय

सोनिया गांधी अपने अनुभव सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी हुईं, तो उनसे आहत पक्ष के पास जवाब देने का पूरा अवसर मौजूद रहेगा। कहने को तो भारत लोकतंत्र है, लेकिन यहां विपक्ष के सर्व-प्रमुख नेताओं तक को अपनी कहानी बताने की आजादी नहीं है! सोनिया गांधी नरेंद्र मोदी या आरएसएस के बारे में अपने अनुभव या अपनी राय सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? भारत- चीन संबंध से जुड़ी किसी घटना पर उनकी राय को देश के सामने आने से क्यों रोका जाना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी होंगी या उनसे कोई गलतबयानी सामने आएगी, तो उससे आहत व्यक्ति या पक्ष के पास जवाब देने का अवसर तो मौजूद ही रहेगा। एक बार एक फिल्म पर प्रतिबंध से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि असहमत व्यक्ति फिल्म ना देखने या अभिव्यक्ति के अपने माध्यम से उसका जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन लोकतंत्र में कलाकृति या वैचारिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का कोई औचित्य नहीं है। लेकिन ये उस दौर की बात है, जब प्रतिबंध सरकार का विशेषाधिकार समझा जाता था। तब परोक्ष दबाव या सामाजिक ट्रोलिंग के जरिए अघोषित प्रतिबंध का चलन नहीं था। ताजा मामले में प्रत्यक्ष रूप से सरकार कहीं मौजूद नहीं है। मगर देश के मौजूदा सियासी माहौल का गहरा साया इस पर साफ देखा जा सकता है। सोनिया गांधी की आत्म-कथा- 'बिलॉन्गिग: ए जर्नी ऑफ लव' को जो प्रकाशक अमेरिका में छाप रहा है, खबरों के मुताबिक उससे ही जुड़े भारतीय प्रकाशक ने भारत में इसे जारी करने से इनकार कर दिया है। बताया जाता है कि भारतीय संस्करण में सोनिया गांधी से कुछ हिस्सों को हटाने को कहा गया, जिससे उन्होंने मना कर दिया। गुजरे सवा दशक में उसी प्रकाशक ने भारत में कई किताबों को इसीलिए नहीं प्रकाशित किया, क्योंकि उससे सत्ता या अन्य शक्तिशाली पक्षों के नाराज होने का अंदेशा था। जबकि कुछ लेखकों ने प्रकाशकों के दबाव में आपत्तिजनक हिस्से हटा कर किताब छपवा लेना बेहतर समझा। ऐसा करने से सोनिया गांधी का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय है। मगर इस घटनाक्रम ने भारत में अभिव्यक्ति के सिकुड़ते दायरे को जग-जाहिर कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की स्थिति पर उठे सवाल और संगीन हो गए हैं।

एक स्वास्थ्य,एक भविष्य:सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद

श्री प्रतापराव जाधव

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-देखभाल का मतलब सिर्फ़ बीमारी का इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका

मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।

11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद और एक स्वास्थ्य, एक भविष्य का विज़न इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।

आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत ज़ोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज़्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ़ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य ज़रूरतों को पूरा करते हों।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मज़बूत संस्थागत आधार देने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

स्वास्थ्य देखभाल को असल में मरीज़ की ज़रूरतों पर केंद्रित होना चाहिए। जहां उपचार उपयुक्त और साक्ष्य समर्थित हो, वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियाँ एक-दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज़्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं। भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजनों ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के नज़रिए को दुनिया भर में कैसा समर्थन मिल सकता है। आयुर्वेद दिवस ने भारत की स्वास्थ्य परंपराओं के लिए एक वैश्विक अवसर का निर्माण किया है और आयुर्वेद तेज़ी से कल्याण, रोकथाम और सतत स्वास्थ्य सेवा पर होने वाली अंतरराष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बन रहा है।

इस बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ एक उतनी ही महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी आती है। आयुर्वेद को विश्वसनीय शोध, नैदानिक सबूतों, मजबूत गुणवत्ता मानकों और ज़िम्मेदार संचार का समर्थन मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आयुष शैक्षिक विभाग, नैदानिक शोध और विनियामक तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत से बाहर आयुर्वेद के लिए एक मज़बूत इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ़ इसकी वैश्विक पहुँच का विस्तार करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि इस विकास के साथ भरोसा और वैज्ञानिक विश्वसनीयता भी जुड़ी हो।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य का विज़न हमें अस्पतालों और दवाओं से आगे ले जाता है। एक स्वस्थ भविष्य हमारे पर्यावरण, हमारे खान-पान और उन प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, जिन पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए, औषधीय पौधे स्वास्थ्य सेवा को कृषि, आजीविका और जैव विविधता से जोड़ते हैं। उनकी स्थायी खेती से किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही कीमती प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी योगदान मिल सकता है। प्रौद्योगिकी भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। आज भारत के पास अपने व्यापक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक शोध क्षमताओं, डिजिटल तकनीक, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते उपायों के साथ जोड़ने का मौका है। यह संयोजन शोधकर्ताओं को पारंपरिक तरीकों का ज़्यादा सटीकता से अध्ययन करने और नवाचार के नए अवसरों को सामने लाने में मदद कर सकता है।

फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लोगों के जीवन में आना चाहिए।

आयुर्वेद दिवस को केवल साल में एक बार मनाया जाने वाला आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए। इसे हमारे घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में स्वस्थ जीवन शैली आधारित एक व्यापक अभियान को बढ़ावा देना चाहिए। हम क्या खाते हैं, हम कितने सक्रिय रहते हैं, हम तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं और हम अपने पर्यावरण के साथ कितनी ज़िम्मेदारी से व्यवहार करते हैं, ये सभी हमारे समाज के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

इस यात्रा में युवा पीढ़ी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद को सिर्फ़ भारत की विरासत के तौर पर ही नहीं, बल्कि शोध, नवाचार, उद्यमिता और स्वास्थ्य सेवा के ऐसे क्षेत्र के तौर पर पेश किया जाना चाहिए, जो भविष्य की चुनौतियों को हल करने में योगदान दे सकता हो।

आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अनोखे संगम पर खड़ा है। हमारे पास इन ताकतों को एक साथ लाने का अवसर है, ताकि स्वास्थ्य सेवा का ऐसा तरीका विकसित किया जा सके, जो इलाज के साथ-साथ बीमारी से बचाव, बीमारी के प्रबंधन के साथ-साथ आरोग्यता और विकास के साथ-साथ स्थायित्व को भी महत्व देता हो। आयुर्वेद का भविष्य अंततः इस बात से निर्धारित होगा कि हम इस पर कितना अच्छा शोध करते हैं, सबूतों के आधार पर इसे कितना मजबूत बनाते हैं, इसकी गुणवता को कैसे सुनिश्चित करते हैं और इसके फायदों को लोगों तक कैसे पहुँचाते हैं।

इसलिए, सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद सिर्फ़ एक थीम नहीं है। यह सेहत की संस्कृति बनाने का एक आह्वान है — ऐसी संस्कृति, जो लोगों को सशक्त बनाती हो, समुदायों को मजबूत करती हो और उस पर्यावरण का सम्मान करती हो, जिसे हम सभी साझा करते हैं। जब हम 11वाँ आयुर्वेद दिवस मना रहे हैं, तो आइए एक स्वास्थ्य, एक भविष्य के विज़न को आगे बढ़ाएँ और एक स्वस्थ भारत और स्वस्थ दुनिया की दिशा में मिलकर काम करें।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य। सभी के लिए सेहतमंद भविष्य।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

आलेख

पर्वतारोहण से कमाई के फेर में नेपाल

डॉ. सुधीर सक्सेना

पर्वतारोहण रोमांचक शौक है, जो जोखिम और खतरों के बीच परवान चढ़ता है। पर्वतारोहण संकल्प से सिद्धि की जीवटभरी गाथा है। तेनजिंग नोर्के और एडमंड हिलेरी को अमरत्व इसी पर्वतारोहण की देन है। पर्वतारोहण मनुष्य के साहस के लिये चुनौती है और जान जाने के डर के बावजूद मनुष्य है कि पहाड़ों पर चढ़ने से बाज नहीं आता। विश्व में दस में से आठ सर्वोच्च शिखर भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हैं। इनमें सर्वोच्चतम है कि एवरेस्ट यानि सागरमाथा। पर्वतारोहण में शेरपाओं की कुशलता की दुनिया कायल है। पर्वतारोहण का ताजा और रोचक प्रसंग यह है कि पर्वतीय राष्ट्र नेपाल पर्वतारोहण से कमाई के फेर में पड़ गया है।

यह खबर ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि पिछले साल की है। गत वर्ष 12 अगस्त को खबर आई थी कि नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्वतारोहण का सहारा लगा। अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी, लेकिन तुर्रा यह कि उसी साल सितंबर से नगाधिराज हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर पीक सीजन में चढ़ाई के लिये परमिट फीस बढ़ाकर 15000 डालर कर दी गयी थी। गौरतलब है कि पर्वतारोहण नेपाल के लिये विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। पिछले साल पर्वतारोहण से उसे 5.9 मिलियन डालर की कमाई हुई थी। इसमें तीन-चौथाई से अधिक योगदान माउंट एवरेस्ट का था। सन 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिये चार सौ से भी अधिक परमिट जारी किये गये थे। कह सकते हैं कि हिमाच्छादित एवरेस्ट को पर्वतारोहियों की भीड़ का सामना करना पड़ रहा है, जिसका उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि 8849 मीटर से अधिक ऊंची चोटी एवरेस्ट हाल के सालों में भीड़भाड़, पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और चढ़ाई के दम्यान कई जानलेवा हादसों से जूझ रही है। अप्रैल, सन 2024 में नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाल सरकार को एवरेस्ट और अन्य अनेक चोटियों के लिये जारी किये जाने वाले परमिटों की संख्या सीमित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ों की क्षमता का सम्मान किया जाना चाहिये, लेकिन पहाड़ों से कमाई के चस्के के फेर में सरकार के कानों पर जूँ नहीं रेंगी। फलतः उसने सुप्रीम कोर्ट के परवाने को बलाये ताक रखकर परमिट काटना बदस्तूर जारी रखा। उसने इनकम जेनरेट करने की तालिका बनाई। तदनुसार अप्रैल-मई के मुख्य सीजन के अलावा शेष अवधि में जो आरोहण के इच्छुक हैं, उनके लिये सितंबर से नवंबर के बीच एवरेस्ट चढ़ाई की फीस 7500 डालर और और दिसंबर से फरवरी के मध्य 3750 डालर तय कर दी। दिसंबर, 25 तक सभी रास्तों से एवरेस्ट पर 13737 बार चढ़ाई हुई इसमें 6656 क्लायंट और 7081 क्लाइंबर शामिल थे। सफलता की दर 50 प्रतिशत से भी कम रही। लोकप्रिय दक्खिनी रास्ते पर सबसे ज्यादा मौतें हुई। नेपाल की तरफ जिन 116 पर्वतारोहियों की मृत्यु हुई, उनमें 51 फीसद वे लोग थे, जो एक्स्ट्रा आक्सीजन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। तिब्बत की तरफ ऐसी 41 मौतें हुई। सन 2000 के बाद से एवरेस्ट पर चढ़ने वालो की संख्या में जबदस्त उछाल आया है। इससे एवरेस्ट प्रदूषण की गिरफ्त में है। सैलानियों और पर्वतारोहियों द्वारा छोड़े गये हजारों किलो कचरे, प्लास्टिक, आक्सीजन सिलेंडरों और मानव अपशिष्ट के कारण इसे दुनिया का सबसे ऊंचा कचरा घर कहा जाने लगा है। दिक्कत यह है कि कमाई के फेर में कचरा हटे तो हटे कैसे?

मध्यप्रदेश हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य....

विश्वास कैलाश सारंग

स्टीफन स्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टाल्सटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के स्त्रोत प्रवाहित होते हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में 'स्व' से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और ध्वनि का एकाकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है। इसलिए मैं गिलक्राइस्ट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूं जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। 'गार्सा-द-तासी' ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरुरी है। जब कबीर कहते हैं 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिए लुकाठी हाथ' तो वो बाजार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद 'बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात'। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पत्ते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पत्ते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पगचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुंचे, चैतन्य पहुंचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया। हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे अतिथि शब्द नहीं है बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकी। अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक डुग्गी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यों की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी। उनके शब्द लिए गए मगर अंग्रेजी उन्हें आत्मसात नहीं कर पायी। जैसे जॉन कीट्स की एक कविता का शीर्षक है ला बेले डेम सैंस मर्सी यानि एक दयाहीन सुंदर महिला यह शीर्षक 15वीं शताब्दी का है। अंग्रेजी में यह कविता बेहद चर्चित है, जिसमें एक परी शूरवीर को सम्मोहित करके अप्रिय भाग्य का श्राप देती है। हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति है। यह उदार और निर्माणात्मक में सुन भर लीजिए तो हिन्दी स्मृति में बसने लगती है। हमारे यशस्वी और श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पंक्तियां है- आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर, रोशनी का संकल्प लें, अभी तो सूरज उगा है। दृढ़ निश्चय के साथ चलकर, हर मुश्किल को पार कर,घोर अंधेरे को मिटाने, अभी तो सूरज उगा है। आज सूरदास कोलंबिया में, मीरा अमेरिका के कई बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं। जायसी पढ़ाए जा रहे हैं। हिन्दी का अर्थ ही नहीं शब्द-शब्द श्लोक है। जो बोलते ही सूखे गेहूँ के दाने सा खनकता है। हिन्दी के निकट बैठकर महात्मा गांधी दिखाई देने लगते हैं अर्थात हर गरीब मन का दर्द जहां नव गीत में ढ़लने लगे वह हमारी भाषा है हिंदी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का निरंतर प्रयास रहा है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था भारतीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय प्रतिभा की शक्ति के अनुरूप आगे बढ़े। लंबे समय तक अंग्रेजी को उच्च शिक्षा और विशेषकर चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा का प्रमुख माध्यम माना जाता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण, गरीब, किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा तक पहुंच का मार्ग अपेक्षाकृत कठिन बना रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय भाषाओं के महत्व को नई दिशा दी। यह केवल भाषा परिवर्तन का विषय नहीं है बल्कि यह शिक्षा को अधिक समावेशी, सहज और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा बना। प्रधानमंत्री जी के इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए मध्यप्रदेश ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की। मुझे इस बात का गर्व है कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए हम मध्यप्रदेश का नाम उस ऐतिहासिक उपलब्धि से जोड़ने में सफल रहे, जब मध्यप्रदेश ने हिन्दी माध्यम में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव हासिल किया। यह केवल मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धि नहीं थी बल्कि भारतीय भाषाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था। 16 अक्टूबर 2022 वो ऐतिहासिक दिन जब भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के करकमलों द्वारा एमबीबीएस प्रथम वर्ष की हिन्दी पुस्तकों का विमोचन किया गया और हिंदी में मेडिकल शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ। यह क्षण इसलिए भी ऐतिहासिक था क्योंकि पहली बार चिकित्सा जैसे अत्यंत तकनीकी और विशेषज्ञता वाले विषय में भारतीय भाषा को शिक्षा के प्रभावी माध्यम के रूप में बड़े स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया गया।

डिजिटल युग और एआई में हिंदी: चुनौती या नया अवसर

डॉ. आरती पाठक

21वीं सदी सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सदी है। एक दौर था जब तकनीक और इंटरनेट की दुनिया में अंग्रेजी का एकछत्र राज माना जाता था और यह आशंका जताई जाती थी कि डिजिटल क्रांति भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी को हाशिए पर धकेल देगी। परंतु आज परिदृश्य इसके ठीक उलट है। डिजिटल युग और एआई के इस दौर में हिंदी न केवल अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा रही है, बल्कि विकास के नए आयाम भी तलाश रही है। ऐसे में यह सवाल बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि क्या यह दौर हिंदी के अस्तित्व के सामने कोई संकट खड़ा कर रहा है या फिर यह उसकी प्रगति का एक ऐतिहासिक अवसर है?

निःसंदेह, तकनीक के शुरुआती दौर में हिंदी के सामने चुनौतियाँ कम नहीं थीं। इंटरनेट की बुनियाद और कोडिंग मुख्य रूप से रोमन लिपि पर केंद्रित थी। देवनागरी लिपि के लिए मानक फॉन्ट और सहज कीबोर्ड का न होना एक बड़ी तकनीकी बाधा थी। इसके अलावा, एआई आधारित मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए उच गुणवत्ता वाले डिजिटल डेटासेट की आवश्यकता होती है। इंटरनेट पर मानक और शुद्ध हिंदी सामग्री की सीमित उपलब्धता के कारण शुरुआती वॉयस असिस्टेंट और अनुवाद टूल्स कई बार भाषा के व्याकरण और संदर्भ को

सही ढंग से नहीं पकड़ पाते थे।

हालाँकि, जैसे-जैसे तकनीक का प्रसार भारत के छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों तक हुआ, डिजिटल परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। टेक कंपनियों को यह समझने में देर नहीं लगी कि भारत का असली और विशाल बाज़ार गैर-अंग्रेजी भाषी आबादी में बसता है। आज गूगल, यूट्यूब और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर सबसे अधिक खोज और कंटेंट की खपत हिंदी में हो रही है।

एआई और वॉयस टेक्नोलॉजी ने तो साक्षरता और भाषा के बीच की दूरी को ही मिटा दिया है। गूगल असिस्टेंट या एलेक्सा जैसे टूल्स की मदद से जो लोग लिखना या टाइप करना नहीं जानते, वे भी केवल अपनी आवाज़ के बल पर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इसने हिंदी भाषी आम जनमानस के लिए सूचना और ज्ञान का अधिकार वास्तव में सुलभ बना दिया है। इसी प्रकार, एआई आधारित न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन ने दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, विधि और प्रशासनिक साहित्य को हिंदी में अनूदित करने की प्रक्रिया को गति दी है। आज डिजिटल युग ने हिंदी कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों, ब्लॉगर्स और पॉडकास्टर्स के लिए संभावनाओं के असीम द्वार खोल दिए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और मीडिया हाउसों में हिंदी की बढ़ती माँग ने युवाओं के लिए रोज़गार के नए और आकर्षक अवसर पैदा किए हैं।

तथापि, इस उजले पक्ष के साथ एक सावधान करने वाला पहलू भी है। एआई और मशीन जनित सामग्री के अति-प्रयोग से भाषा की शुद्धता, उसकी मौलिक आत्मा और व्याकरणिक सौंदर्य के क्षरण की संभावना बनी रहती है। हिंग्लिश का बढ़ता प्रभाव और मशीनी अनुवाद का अंधाधुंध उपयोग भाषा के लालित्य को चोट पहुँचा सकता है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी के विद्वान, भाषाविद और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर काम करें। हमें एआई मॉडलों को समृद्ध, प्रामाणिक और उच स्तरीय हिंदी डेटासेट से प्रशिक्षित करना होगा। निष्कर्षतः, एआई और डिजिटल क्रांति हिंदी के लिए कोई खतरा नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम अवसर है। तकनीक ने हिंदी को महज़ साहित्यिक गोष्ठियों और आधिकारिक औपचारिकताओं से निकालकर वैश्विक डिजिटल पटल पर स्थापित कर दिया है। यदि हम भाषा की मौलिकता की रक्षा करते हुए इस तकनीक को पूरी क्षमता से अपनाएँ, तो आने वाले समय में हिंदी विश्व की सबसे सशक्त और ज्ञान-समृद्ध डिजिटल भाषाओं में अग्रगण्य होगी ।

लेखिका कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली

मुख्यमंत्री निवास में विराजे भगवान श्री गणेश

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने परिवारजनों के साथ विधि-विधान से की गणपति की स्थापना और पूजा-अर्चना
- भगवान गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना

रायपुर (विश्व परिवार)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परिवारजन, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

117 वर्षों से चली आ रही गणेशोत्सव की परंपरा में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर का ऐतिहासिक गोल बाजार आज गणपति बप्पा की भक्ति और उत्सव के उल्लास से सराबोर रहा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रात्रि गोल बाजार पहुंचे और यहां श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा विराजित विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान गणेश से छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के समीप गणेशोत्सव पंडाल में विराजित भगवान श्री गणेश को मुकुट पहनाया और तिलक लगाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच भगवान गणेश की आरती उतारी और विघ्नविनायक से प्रदेश की प्रगति, समृद्धि तथा प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। गणेशोत्सव हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व होने के साथ समाज को एक सूत्र में जोड़ने वाली हमारी समृद्ध परंपरा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गणपति बप्पा की कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े तथा प्रदेश के हर घर-परिवार में सुख और खुशहाली का वास हो, यही उनकी कामना है।

मुख्यमंत्री ने गोल बाजार में 117 वर्षों से निरंतर चली आ रही गणेशोत्सव की गौरवशाली परंपरा की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी आस्था और सामाजिक सहभागिता के साथ किसी सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखना अपने आप में विशेष है। ऐसी परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ती हैं।

उल्लेखनीय है कि राजधानी के ऐतिहासिक गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के समीप श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा पिछले 117 वर्षों से गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। यहां विराजित होने वाली गणेश प्रतिमा अपनी भव्यता और आकर्षक स्वरूप के कारण गोल बाजार ही नहीं, पूरे रायपुर में श्रद्धालुओं की आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय के गोल बाजार पहुंचने पर गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों, स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की मंगलध्वनि और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच मुख्यमंत्री का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें गजमाला पहनाकर स्वागत किया। पूरे परिसर में गणेशोत्सव का उल्लास और भक्तिमय वातावरण दिखाई दिया।

भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय गोल बाजार में ही स्थित 150 वर्ष से अधिक पुराने हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने राजधानी की इस प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

गायत्री नगर में ध्वजारोहण के साथ हुआ दश लक्षण महापर्व का शुभारंभ

जयपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन मंदिर महारानी फार्म, गायत्री नगर जयपुर में मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में 14 सितंबर 2026 को प्रातः 7.30 बजे अध्यक्ष अरुण शाह के द्वारा ध्वजारोहण के साथ पर्वधिराज दश लक्षण महापर्व का शुभारंभ हुआ। सभी मांगलिक क्रियायें विधानाचार्य पं. अजित शास्त्री द्वारा कराई गयीं।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि इस अवसर पर मंत्री राजेश बोहरा द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया.। प्रातः 8:00 बजे श्रीमती रेणु बाकलीवाल के सोलह कारण उपवास पूर्ण होने पर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा रेनू जी का सम्मान किया गया तत्पश्चात जिन धर्म प्रभावना हेतु जैन मंदिर से उनके निवास स्थान तक भव्य शोभा यात्रा बैंड बाजों एवं बग्गी में बैठाकर निकाली गई।

मंदिर प्रबन्ध समिति के संयुक्त मंत्री संजय ठोलिया ने बताया कि दश लक्षण महापर्वों में प्रतिदिन अभिषेक, शांति धारा, दशलक्षण विधान पूजा होंगे उनके मुख्य पात्र सोधर्म इंद्र रमेश संगीता सोगानी, महायज्ञ नायक अशोक अंजू जैन विधानसभा वाले होंगे, कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य संजय नीलम ठोलिया को प्राप्त हुआ, सामग्री पुण्यार्जक परिवार गुणमाला, सुनील लता सोगानी परिवार, श्रावक श्रेष्ठी होंगे अशोक अनीता रावंका परिवार। महापर्व के सांस्कृतिक संयोजक पदम झांझरी ने बताया कि 48 दिवसीय भक्तामर पाठ 15 सितंबर से दोपहर 3 से 4 बजे होगा।

पर्वराज पर्व दस लक्षण धर्म आज से प्रारंभ

दुर्ग (विश्व परिवार)। जैन समाज का पर्व अर्थात त्योहारों में सबसे बड़ा पर्व जिसे हम 10 लक्षण धर्म दिवस के रूप में बरसों से परंपरा के अनुरूप पूरे विश्व में स्थानीय मंदिर जी में प्रतिदिन प्रति दिवस अनेक कार्यक्रम संपन्न होते हैं।

बहुत उत्साह आनंद के साथ बड़े धूमधाम से मनाते है हमारे शहर के 4दिगंबर जैन मंदिर में भी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है और प्रति दिवस प्रातः से रात्रि तक कार्यक्रम संपन्न होना है। पर्व राज पर्यूषण पर्व 10 लक्षण धर्म दिवस 16 सितंबर से 25 सितंबर तक मनाया जाएगा समाज के प्रचार पर प्रचार प्रसार प्रभारी संजय बोहरा ने बताया कि इस 10 दिवस में प्रतिदिन प्रात से रात्रि तक अनेक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम संपन्न होते प्रातः श्री जी भगवान का अभिषेक शांति धारा, द्रव्य पूजा ,और ब्रह्मचारी वृद्धि भैया जी के द्वारा प्रतिदिन प्रतिदिन दिवस अलग-अलग दिवस पर धर्म दिवस के रूप में प्रवचन होते हैं।

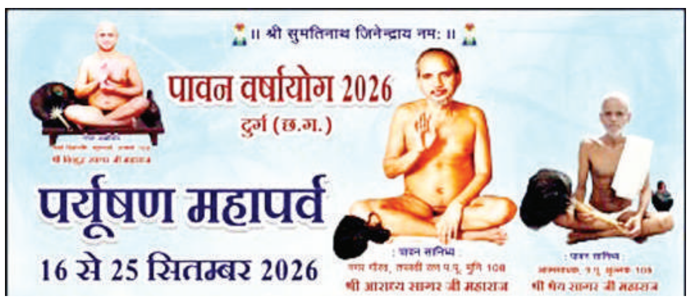

इस 10 दिवस पर स्थानीय बंधु के द्वारा भक्ति और शक्ति के साथ-साथ तप प्रत्येक प्रबलता संयम के साथ पूरे 10 दिवस रखते हैं इसलिए इसे 10 लक्षण धर्म दिवस कहा जाता है दुर्ग नगर का सौभाग्य की दुर्गा नगर गौरव बड़ा मंदिर की में मुनि श्री अराध्या सागर जी महाराज का चातुर्मास चौमासा चल रहा है। बोहरा ने बताया मुनि श्री के सानिध्य में 10 दिबस श्रावक साधना आवासीय शिविर संपन्न होना है।

जिसमें अनेक धार्मिक क्रिया मुनि श्री के द्वारा संपादित होना है इसी तरह विद्युत नगर दिगंबर जैन मंदिर की साज, सजा रोशनी देखते बनती है यहां पर इस 10 दिवसीय आयोजन की पूरी तैयारी कर चुकी है प्रथम दिवस से अंतिम दिवस तक यहां भी सामाजिक धार्मिक और रचनात्मक कार्य संपन्न होंगे और रात्रि में प्रतिदिन सामूहिक महाआरती संपन्न होती है अंतिम दिवस अनंत चतुर्दशी दिन शोभा यात्रा के पश्चात स्थानी धर्म बंधु क्षमा याचना कर क्षमा वाणी का पर्व मनाते हैं इस पूरे कार्यक्रम में मुख्य रूप से विशेष सहयोग रमेश जी, अभिषेक जैन राकेश जैन और उनके प्रबंधनकरनी सदस्यों का रहा है। जैन समाज का बहुत ही महत्वपूर्ण आयोजन होता है धन्यवाद।

- **संजय बोहरा दुर्ग**

पर्युषण आत्म शुद्धि का पर्व है

रायपुर (विश्व परिवार)। भाद्र माह के शुक्ल पक्ष में पंचमी से लेकर चतुर्दशी तक मनाया जाने वाला जैन दिगंबर संप्रदाय का 'पर्यूषण' एक आत्म शुद्धि का पर्व है।

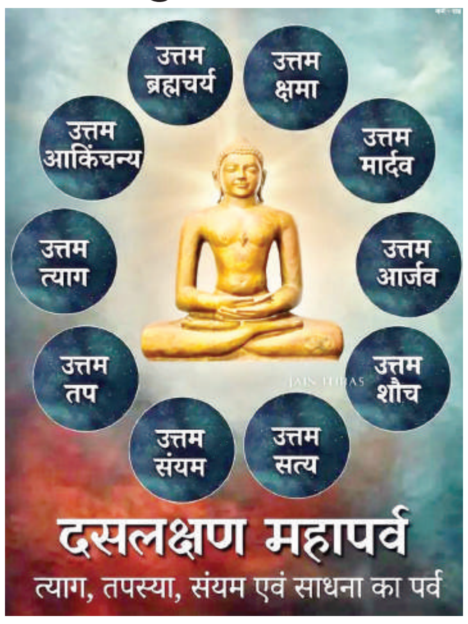

इस अवसर पर श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा ने संपूर्ण भारतवर्ष के जैन बंधुओ को बधाई देते हुए बतलाया कि इस पर्व के दरमियान जैन श्रावक लोग क्रम क्रम से उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, अकिंचन्य एवं ब्रह्मचर्य आदि 10 धर्मो की आराधना कर अपने भावो को निर्मल बनाते हैं तथा अंत में वार्षिक प्रतिक्रमण करते हुए क्षमा पर्व पर परस्पर एक दूसरे से वर्ष भर की भूलों के लिए क्षमा याचन करते हैं जो कि जैन धर्म में क्षमा के महत्व को दर्शाता है।

त्याग आज किया है उसे बताने का त्याग करें, आत्म संतोष मिलेगा : मुनि श्रमण सागर जी

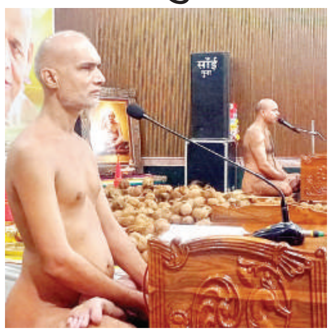

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। युग दृष्टा इस सदी के महान संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, महा तपस्वी, बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने श्रमण धारा प्रवचन माला में आज राघौगढ़ में विशाल धर्म सभा में एक रुपए की पांच चवन्नी बनाना विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा जैन समाज के बारे में कहा जाता है कि एक रुपए की पांच चवन्नी बनाना बनिया गिरी है। आपने कहा आप अपना हित इसमें देखते हो कि हमें कैसे लाभ प्राप्त हो। आपको यह सिखाना है कि धार्मिक दुकान में आत्म कल्याण की कमाई कैसे हो।

मुनिराज ने कहा दुनिया में अनेक प्रकार के लोग होते हैं। पहले वे होते हैं जिनके पास कुछ नहीं है और भी कुछ दान करते भी नहीं है। दूसरे वे हैं जिनके पास पैसा खूब है। उनको हम ऐसे गरीब कह सकते हैं कि जिनके पास पैसे के अलावा कुछ नहीं है। तीसरे प्रकार के वे लोग होते हैं जिन्हें नाम का मात्र भी दान नहीं करना और ख्याति पूरी चाहिए। इसका उदाहरण देते हुए आपने कहा एक सेठ जी ने मंदिर प्रांगण में कुआ निर्माण के लिए आधी ईट दान दी। जब उनके समाधि आए तो उनसे कहा इस कुएं के निर्माण में हमने आधी ईटें दान दी हैं। चीन में 28 ग्राम सोने से 50 किलोमीटर लंबा इतना पतला तार बनाया जो मकड़ी के जाल से भी पतला था। उसे पतले तार पर जापान ने छेद बना दिया। हम भारतीयों की स्थिति यह है कि हमने उस पतले तार की पैकिंग पर मेड इन इंडिया लिख दिया। आपने प्रवचन करते हुए कहा चौथे प्रकार के वह व्यक्ति होते हैं जो दान जी भर कर देते हैं। मगर दान ख्याति लाभ के लिए नहीं देते हैं। आपने दिल्ली के लाला हरसुख लाल जी का उदाहरण देते हुए कहा उन्होंने सन 1860 में चांदनी चौक पर विशाल जैन लाल मंदिर का निर्माण कराया। उस मंदिर की सीढ़ियां आम लोगों से दान लेकर बनाई और बाद में समाज से कह दिया कि इस मंदिर में मेरा कुछ नहीं है यह मंदिर समाज का है।

हिंदी दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

राउरकेला (उड़ीसा) (विश्व परिवार)। राउरकेला द्वारा 14 सितंबर 2026 हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित विमोचन एवं सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में भाग लेने का सुअवसर मिला। इस अवसर पर तीन पुस्तकों का विमोचन हुआ।

छोटी बहन वर्षा कादमावाला वारि के पहले काव्य संग्रह 'मन की उजली धूप' हिंदी ग़ज़ल और कृष्ण कुमार प्रजापति संपादन डॉ अनिरुद्ध सिन्हा, मधुकर मिश्र की प्रतिनिधि ग़ज़लें संपादन डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति संकल्प संस्थान राउरकेला ने मुझे संकल्प साहित्य शिरोमणि सम्मान 2026 से सम्मानित भी किया।

मंच पर मूर्धन्य साहित्यकारों की उपस्थिति रही। डॉ अनिरुद्ध सिन्हा मुंगेर, श्री विजय स्वर्णकार नोएडा, श्री राहुल शिवाय(श्वेतवर्ण प्रकाशन) श्री अजय प्रजापति आयोजन हर दृष्टिकोण से सफल रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन संस्था की ओर से डॉ शकुन अग्रवाल ने किया। डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति एवं समस्त पदाधिकारियों सदस्यों को हृदय तल से आभार एवं बधाई।

भारतरत्न महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वैश्वरैय्या का 166वीं जयन्ती पर किया सादर नमन

- स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने रक्तचाप की जाँच करवाकर किया शुभारम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतरत्न महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या का उनकी 166वीं जयन्ती पर राजधानी शहर रायपुर में पीडब्ल्यूडी चौक सिविल लाइन में स्थित मूर्ति स्थल के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से रखे गए संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने भारतरत्न महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या का 166वीं जयन्ती पर सादर नमन किया। संक्षिप्त पुष्पांजलि कार्यक्रम में पहुंचकर नगर निगम रायपुर के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ सहित सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इंदिरा मिश्रा, नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी सहित रायपुर संयुक्त अभियंता आयोजन समिति के संयोजक डॉ एम. एल. अग्रवाल, संरक्षक पी. एन. सिंह, आयोजनकर्ता वरिष्ठ अभियंता सर्वश्री सी.पी. शर्मा, मनोज वर्मा, योगेश शर्मा वरिष्ठ वास्तुविद सी. एस. पिल्लीवार, छग राज्य पावर वितरण कम्पनी के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता अभियंता पी एन. खरे, रायपुर विकास प्राधिकरण के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता डी. एस. परोहा, छग राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास संचलनालय के मुख्य अभियंता राजेश शर्मा, नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, राज्य लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता राजेश नशीने सहित राजधानी शहर रायपुर के रहवासी वरिष्ठ और कनिष्ठ अभियंताओं ने बड़ी संख्या में मूर्ति स्थल पर पहुंचकर भारतरत्न महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या का 166वीं जयन्ती पर सादर नमन किया.

जैनधर्म के दशलक्षण/पर्यूषण महापर्व का शुभारम्भ आज से

- कलुषित आत्मा को पवित्र बनाने के लिए जैन श्रावक करेंगे धर्म-साधना : विशाल जैन पवा।

ललितपुर (विश्व परिवार)। पावस के शुभ मास में हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी के बाद भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी से चतुर्दशी तक जैनधर्म का दशलक्षण / पर्यूषण महापर्व मनाया जाता हैं। जो 16 सितम्बर बुधवार से 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार तक चलेगा। यह महापर्व माघ एवं चैत्र मास में भी आता है लेकिन विशेष रूप से श्रद्धा-भक्ति के साथ यह भाद्रपद (भादों) के महीने में ही धूमधाम से मनाया जाता है क्योंकि इस दौरान जैन साधु-संतों का चातुर्मास चल रहा होता है। अनेक स्थानों पर चतुर्विध संघ के निर्देशन में श्रावक संस्कार शिविरों का आयोजन किया जाता है। जिसमें श्रावक घर-परिवार छोड़कर दस दिनों तक धर्म साधना करते हैं। इन दिनों श्रावक अपनी कलुषित आत्मा को पवित्र बनाने के लिए धर्म-साधना करते हैं। जिसके लिए उत्तम क्षमा मार्दव आर्जव और शौच धर्म को धारण कर सत्य और संयम के रास्ते तप और त्याग के द्वारा आकिंचन धर्म को स्वीकार कर ब्रह्मचर्य की साधना की जाती है। दस दिन तक मंदिरों में अभिषेक-शांतिधारा पूजन-विधान का दायरा प्रतिदिन की अपेक्षा बढ़ाया जाता है। सभी सप्त व्यसनों का त्याग कर आठ मूलगुणों का पालन करते हुए देव पूजा, गुरु उपासना, स्वाध्याय, संयम, जप - तप और दान आदि करते हैं।

इन दिनों उपवास या एकासन आहार करने की परम्परा है। सायं काल

मंदिरों में सामूहिक आरती शास्त्र प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं।

पर्यूषण महापर्व में प्रथम चार दिन चारों प्रकार की कषाय छोड़कर धर्म मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसके 22 दिन पूर्व से सोलह कारण, प्रथम पाँच दिन पंचमेरु, अगले तीन दिन नंदीश्वर द्वीप, अगले तीन दिन रत्नत्रय एवं उसके बाद क्षमावाणी का पूजन-विधान कर महापर्व मनाते हैं।

दशलक्षण धर्म का पहला दिन उत्तम क्षमा का होता है जो हमें क्रोध से बचने का संदेश देता है। क्रोध आत्मिक उन्नति में बाधक एवं मनुष्य के पतन का कारण बनता है। इसके रहते हमें कभी आत्मा का बोध नहीं हो सकता। अतः क्रोध को जीतना सबसे बड़ा धर्म है जिसे उत्तम क्षमा कहते हैं। यह कहने और सुनने में तो अच्छा लगता है लेकिन क्षमा को स्वीकार करना बहुत कठिन है जो जीवन के मार्ग को सुगम बना देता है।

दूसरा दिन उत्तम मार्दव का होता है, जो हमें आठ प्रकार के मदों से दूर रहकर अभिमान को तजने की प्रेरणा देता है। इससे जीवन में मृदुता आती है जो हमें विनम्र बनाती है।

तीसरा दिन उत्तम आर्जव का होता है, जो हमें छल-कपट को छोड़कर मायाचारी से दूर रहने के लिए प्रेरित करता है। यह हृदय में ऋजुता को स्थापित करता है एवं स्वयं को मायाजाल में फँसने से बचाता है।

चौथा दिन उत्तम शौच का होता है, जो हमें केवल बाह्य स्वच्छता नहीं अपितु लोभ और लालच से दूर रहकर आंतरिक पवित्रता एवं संतोष की प्रेरणा देता है। लोभ को पाप का बाप कहा जाता है। इसके कारण ही सभी कषाएँ जागृत होती हैं, लोभ के वशीभूत हो हम मायाचारी करते हैं। इसके बाद जब इच्छा पूर्ण हो जाती है तो अभिमान आ जाता है और इच्छा पूर्ण न होने पर क्रोध आता है। हमें अपने जीवन में शुचिता को ग्रहण करना चाहिए।

लाफिन कला में तीजा महोत्सव रहा यादगार, महिलाओं को मिलता है आकर्षक उपहार

महासमुंद (विश्व परिवार)। सोमवार को ग्राम लाफिन कला में तीजा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन का पांचवां वर्ष था। महोत्सव में महिलाओं के लिए पारंपरिक एवं मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मटका फोड़, फुगड़ी, कुर्सी दौड़, लोटा दौड़, रस्सा खींच और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं हुईं। मटका फोड़ में दिव्या पटेल प्रथम रहीं। फुगड़ी में खिलेश्वरी साहू प्रथम, किरण निषाद द्वितीय और मीना निषाद तृतीय रहीं। कुर्सी दौड़ में नीलम साहू प्रथम, करिश्मा मानिकपुरी द्वितीय, गैन्दी पटेल तृतीय, रितु साहू चतुर्थ, उषा निषाद पंचम, जानकी पटेल षष्ठम, गीता साहू सप्तम, नीरा निषाद अष्टम, प्रमिला साहू नवम और लक्ष्मी साहू दशम स्थान पर रहीं। लोटा दौड़ में भूमिका निषाद प्रथम, मनीषा साहू द्वितीय और रेखा साहू तृतीय रहीं। रस्साकसी में चंदा निषाद, क्षमा निषाद, श्यामा साहू, लुके निषाद, रेशमा साहू, तारा साहू, रोशनी पटेल की टीम प्रथम और रीतु साहू, इन्द्राणी साहू, तोमेश्वरी साहू, रुक्मणी साहू, उषा निषाद, फेकन निषाद, राधा निषाद की टीम द्वितीय रही।

‘यूपीआई पर क्रेडिट लाइन’ की सुविधा

बिलासपुर - ‘यूपीआई पर क्रेडिट लाइन’ के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम मुद्रा योजना सहित विभिन्न योजनाओं को शामिल किया गया है। डीएफएस सचिव ने जीएफएफ 2026 में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए नवाचारों का अनावरण किया। जिसमें एटीएम को तत्काल रुपे कार्ड और मर्चेंट यूपीआई क्यूआर जारी करने वाले केंद्रों में परिवर्तित करना, जिससे प्रक्रिया में लगने वाला समय कई सप्ताह से घटकर कुछ मिनट रह गया है। यह घोषणा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय की उपस्थिति में की गई। ई-केवाईसी के माध्यम से पंजीकृत सदस्यों को सहभागी एईपीएस टचपॉइंट ऑपरेटरों के जरिए सुरक्षित तरीके से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे नकद जमा करने की सुविधा प्रदान करना। यह घोषणा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय की उपस्थिति में की गई। रुपे कार्ड और मर्चेंट क्यूआर जारी करने के लिए ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम के अंतरगत यह समाधान ग्राहकों को एक सरल सेल्फ-सर्विस प्रक्रिया के माध्यम से एटीएम से सीधे तत्काल व्यक्तिगत रुपे डेबिट, क्रेडिट और एनसीएमसी कार्ड प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम यूपीआई आधारित भुगतान स्वीकार करने के लिए मर्चेंट क्यूआर कोड भी जारी करेगा, जिससे व्यापारी आसानी से क्यूआर कोड स्थापित कर सकेंगे और भुगतान स्वीकार करना शुरू कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ये एटीएम चेक जमा करने, खाता खोलने और ऋण के लिए आवेदन करने जैसी बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराएंगे। वर्तमान में, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक और एयरटेल पेमेंट्स बैंक सहित नौ बैंक इस समाधान का आकलन और इसकी संभावनाओं का पता लगाने के लिए एनपीसीआई तथा हिताची पेमेंट सर्विसेज, पर्टो इंडिया और वॉर्टेक्स इंजीनियरिंग जैसे एटीएम ओईएम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

वन विभाग की एनओसी में अटका ‘मिनी ऊटी’ का विकास

प्राकृतिक खूबसूरती के बावजूद आमामोरा-ओड़ तक पहुंचना चुनौती, जर्जर सड़क से ग्रामीण और पर्यटक परेशान

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के पहाड़ी अंचल में प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर आमामोरा-ओड़ को क्षेत्र के लोग ‘मिनी ऊटी’ के नाम से जानते हैं। ऊंचे पहाड़, घने जंगल, प्राकृतिक झरने और वन्यजीवों की मौजूदगी इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से खास बनाती है। राज्यभर से लोग यहां की खूबसूरती देखने पहुंचते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण पर्यटन की संभावनाओं पर ब्रेक लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि सड़क निर्माण और सुधार से जुड़े कार्य वन विभाग की अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के फेर में अटके हुए हैं।

आमामोरा-ओड़ तक पहुंचने वाला मार्ग बारिश के दिनों में बेहद कठिन हो जाता है। रास्ते में कई नाले, उबड़-खाबड़ हिस्से और जर्जर सड़क होने के कारण वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति ऐसी है कि सामान्य वाहनों से आवागमन भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क सुविधा बेहतर होने से इस पूरे पहाड़ी क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल सकती हैं।

पिछले वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत धवलपुर से आमामोरा-ओड़ तक सड़क निर्माण का काम शुरू किया गया था। कुछ हिस्सों में निर्माण हुआ, लेकिन कई जगह काम अधूरा रह गया। कहीं गिट्टी डालकर काम रोक दिया गया है तो कहीं मार्ग अब भी बदहाल है। ग्रामीणों के लिए अधूरी सड़क परेशानी का कारण बनी हुई है। गिट्टी से भरे उबड़-खाबड़ रास्तों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन मुश्किल हो जाता है और बारिश में स्थिति और गंभीर हो जाती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब क्षेत्र के विकास के लिए शासन और प्रशासन स्तर से राशि उपलब्ध कराई जा रही है, तो सड़क निर्माण में बाधा कहां है। बताया जा रहा है कि वन क्षेत्र से जुड़े हिस्सों में निर्माण के लिए वन विभाग की अनुमति और एनओसी आवश्यक है। एनओसी नहीं मिलने के कारण सड़क का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या विभागों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा ग्रामीणों और संभावित पर्यटकों को भुगतना पड़ेगा। वन संरक्षण के नियमों का पालन करते हुए सड़क निर्माण का रास्ता निकालने की जरूरत है। आमामोरा-ओड़ की सबसे बड़ी ताकत यहां की प्राकृतिक संपदा है। पहाड़ों से गिरते झरने, चारों ओर फैली हरियाली और वन्यजीवों की मौजूदगी क्षेत्र को पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाती है। यहां जंगली हाथी, भालू और तेंदुए जैसे वन्यजीव पाए जाने की जानकारी भी मिलती है।

यदि सुरक्षित सड़क के साथ पर्यटन की मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं तो आमामोरा-ओड़ गरियाबंद जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

सड़क सुविधा बेहतर होने से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। ग्रामीण होटल, लॉज, होम-स्टे, चाय-नाश्ते की दुकानें, स्थानीय उत्पादों की बिक्री सहित पर्यटन आधारित कारोबार शुरू कर सकते हैं। इससे आमदनी बढ़ने के साथ पलायन रोकने में भी मदद मिल सकती है। आमामोरा-ओड़ जैसे प्राकृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र के विकास के लिए केवल बजट और घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। वन विभाग, जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और पर्यटन विभाग के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। अब जरूरत है कि एनओसी और अन्य तकनीकी अड़चनों का समाधान कर सड़क निर्माण को गति दी जाए। यदि आमामोरा-ओड़ सड़क से बेहतर तरीके से जुड़ता है तो यह सिर्फ आवागमन की सुविधा नहीं होगी, बल्कि गरियाबंद के पहाड़ी क्षेत्र में विकास और पर्यटन के नए द्वार खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

पीएम श्री स्कूल में अंग्रेजी ज्ञान पर सवाल, फिंगेश्वर से 200 रूपए में बुलाया प्रशिक्षक!

तीन शिक्षिकाओं की पदस्थापना के बावजूद बाहर से स्पोकन इंग्लिश ट्रेनर बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी, विभाग कराएगा जांच

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छुरा विकासखंड अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय अकलवारा में बच्चों की अंग्रेजी शिक्षा और शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विद्यालय में कक्षा पहली से पांचवीं तक की पढ़ाई होती है और तीन शिक्षिकाओं की पदस्थापना बताई जा रही है। इसके बावजूद स्पोकन इंग्लिश के लिए फिंगेश्वर विकासखंड से प्रशिक्षक बुलाकर 200 रूपए का भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। छोटी राशि के इस भुगतान ने अब शिक्षा व्यवस्था और प्रक्रिया को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला महज 200 रुपए के भुगतान तक सीमित नहीं है। सवाल यह है कि पीएम श्री विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों के रहते प्राथमिक स्तर के बच्चों को स्पोकन इंग्लिश सिखाने के लिए दूसरे विकासखंड से प्रशिक्षक बुलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

यदि शिक्षकों को ही अंग्रेजी प्रशिक्षण की आवश्यकता थी तो क्या उनकी दक्षता का विभागीय स्तर पर आकलन किया गया था? वहीं यदि बच्चों के लिए विशेष स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण जरूरी था तो क्या स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षक उपलब्ध नहीं था? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ शासन की ओर से सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए अंग्रेजी, स्पोकन इंग्लिश सहित विभिन्न विषयों पर समय-समय पर प्रशिक्षण

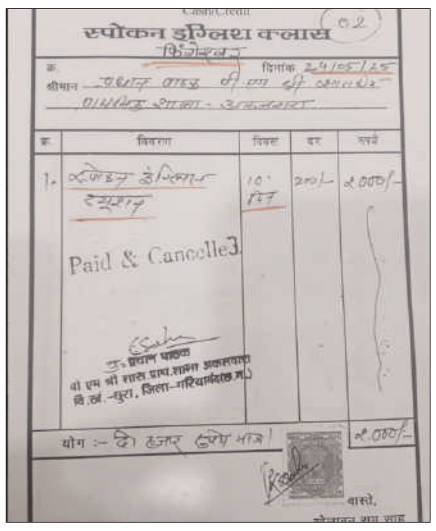

स्पोकन इंग्लिश क्लास
फिंगेश्वर
दिनांक 29/05/25
Paid & Cancelle3
योग :- दो हजार रुपये मात्र
2,000/-

कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब शिक्षकों के प्रशिक्षण की सरकारी व्यवस्था मौजूद है, तब पीएम श्री विद्यालय में अलग से दूसरे विकासखंड से प्रशिक्षक बुलाकर भुगतान क्यों किया गया।

अकलवारा में प्राथमिक विद्यालय के साथ एक ही परिसर में मिडिल और हायर सेकंडरी स्तर की कक्षाएं भी संचालित होने की जानकारी है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पूरे परिसर में अंग्रेजी विषय के जानकार शिक्षक अथवा व्याख्याता उपलब्ध नहीं हैं। यदि अंग्रेजी विषय के शिक्षक उपलब्ध हैं तो प्राथमिक विद्यालय के लिए फिंगेश्वर से प्रशिक्षक बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी? और यदि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षक उपलब्ध नहीं था, तो छुरा विकासखंड में अंग्रेजी शिक्षकों की उपलब्धता और उनकी विषयगत दक्षता की स्थिति भी विभाग को स्पष्ट करनी चाहिए।

पीएम श्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाता है। ऐसे में इस विद्यालय में प्राथमिक स्तर की अंग्रेजी शिक्षा के लिए बाहर से प्रशिक्षक बुलाए जाने की स्थिति सामने आना व्यवस्था की समीक्षा का विषय बन गया है। स्थानीय स्तर पर यह भी सवाल उठ रहा है कि पीएम श्री विद्यालय को उपलब्ध बजट और संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है तथा प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों पर होने वाले खर्च की प्रक्रिया क्या है। मामले में विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता, विषयवार दक्षता, प्रशिक्षण में सहभागिता और स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण की आवश्यकता का विभागीय स्तर पर परीक्षण किए जाने की मांग उठ रही है। हालांकि किसी शिक्षक की शैक्षणिक योग्यता या नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर बिना प्रमाण निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। यदि कोई शिकायत है तो मूल अभिलेखों और विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जानी चाहिए।

प्रशिक्षक को किस आदेश या प्रक्रिया के तहत बुलाया गया? 200 रुपए का भुगतान किस मद से किया गया? बिल-वाउचर किस आधार पर तैयार हुआ? विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों के बावजूद बाहर से प्रशिक्षक बुलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इन सभी बिंदुओं की जांच से मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

विद्यालय की प्रधान पाठक चमेली साहू और प्राचार्य सुरेश कुमार वर्मा, अकलवारा से मामले को लेकर प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। वहीं डीएमसी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी।

जंगल के रास्ते चल रहा था नशे और वन्यजीव तस्करी का खेल!

तीन दिन में तीन ऑपरेशन, 79 किलो संदिग्ध नारकोटिक्स और 1.47 किलो पैंगोलिन स्केल जब्त, 8 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। उदंती-सीतानादी टाइगर रिजर्व (USTR) और ओडिशा के मलकानगिरी-नबरंगपुर क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने अंतरराज्यीय नारकोटिक्स और वन्यजीव तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। तीन दिनों में हुए तीन अलग-अलग इंटेलिजेंस आधारित ऑपरेशनों में 79 किलोग्राम संदिग्ध नारकोटिक्स पदार्थ और 1.47 किलोग्राम पैंगोलिन स्केल बरामद किए गए। कार्रवाई में कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में दोनों तरह की तस्करी के बीच संभावित कनेक्शन की आशंका सामने आई है। 10 सितंबर की सुबह स्त्रक्र के बोराई वन जांच चौकी की टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान ओडिशा के नबरंगपुर की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध सीतानादी रेंज के कोर एरिया में अनधिकृत रूप से प्रवेश करते मिले। उनके पास एक बड़ा बैग था। बिरनासिल्ली वन जांच चौकी पर बैरिकेडिंग की गई, जहां एक बैग बरामद हुआ। इसमें करीब 31 किलो संदिग्ध नारकोटिक्स पदार्थ/वन उपज और एक मोबाइल फोन मिला। हालांकि दोनों संदिग्ध मोटरसाइकिल समेत फरार हो गए। जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए धमतरी पुलिस को सौंप दिया गया। डिजिटल साक्ष्यों से संदिग्धों की आवाजाही रायघर से उत्तर प्रदेश की ओर होने के संकेत मिले। इसके बाद 11 सितंबर को DRI (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) ने स्त्रक्र के समन्वय से नबरंगपुर जिले के धांध्रा और मेंत्री क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां दो संदिग्ध पेडलर्स को करीब 48 किलो संदिग्ध नारकोटिक्स पदार्थ और एक स्कूटी के साथ हिरासत में लिया गया। कार्रवाई में स्त्रक्र की डॉग और ड्रोन स्क्वाड भी तैनात रही।

इसके बाद मिले सुरागों के आधार पर मलकानगिरी के गोविंदपल्ली क्षेत्र में वन विभाग और सुकमा वन प्रभाग के साथ संयुक्त ऑपरेशन किया गया। यहां 1.47 किलो पैंगोलिन स्केल, तीन मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ के बाद तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। मामले में OR No. 72 of 2026-27 दर्ज किया गया है।

बार्टर ट्रेड की भी जांच- लगातार हुई इन कार्रवाइयों से नारकोटिक्स और वन्यजीव तस्करी के बीच संभावित अंतरराज्यीय संगठित नेटवर्क की आशंका गहरा गई है। जांच एजेंसियां प्रतिबंधित पदार्थों के संभावित बार्टर ट्रेड की संभावना भी तलाश रही हैं।

USTR ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीव कॉरिडोर और वन मार्गों को तस्करी के ट्रांजिट रूट के रूप में इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस, DRI, WCCB और अन्य एजेंसियों के साथ संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी योजना बंद, करोड़ों के गौठान अब किस काम के?

गोबर खरीदी और गौठान आधारित गतिविधियां थमने से ग्रामीणों की आय पर असर, अधोसंरचना के भविष्य पर सवाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गांवों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पशुधन संरक्षण के उद्देश्य से पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी योजना के तहत जिले सहित प्रदेशभर में बड़ी संख्या में गौठान विकसित किए गए थे। गौठानों में शेड, चारा-पानी, नाली, वर्मी कम्पोस्ट सहित कई तरह की अधोसंरचना तैयार की गई। सरकार बदलने के बाद योजना के कई प्रमुख घटक बंद या निष्क्रिय होने से अब इन परिसंपत्तियों की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं।

योजना के तहत गांवों में बनाए गए गौठानों का उद्देश्य खुले में घूमने वाले मवेशियों को आश्रय देने के साथ पशुधन आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना था। इसके लिए सरकारी राशि से विभिन्न संसाधन विकसित किए गए। लेकिन कई स्थानों पर गौठानों की गतिविधियां बंद होने या कमजोर पड़ने की स्थिति में इनके रखरखाव और उपयोग को लेकर सवाल उठ रहे

हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तैयार अधोसंरचना का नियमित उपयोग नहीं होना है तो उसके निर्माण में खर्च की गई सरकारी राशि का उद्देश्य क्या रह जाएगा।

योजना का सबसे चर्चित हिस्सा गोबर खरीदी था। ग्रामीणों और पशुपालकों से गोबर खरीदा जाता था। इससे पशुपालकों को अतिरिक्त आमदनी मिलती थी। कई लोग पशुपालकों से गोबर एकत्र कर गौठानों तक पहुंचाने का काम भी करते थे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बने थे।

गोबर खरीदी बंद होने के बाद इस गतिविधि से जुड़े लोगों की आय प्रभावित हुई है। जिन परिवारों के लिए गोबर बिक्री छोटी लेकिन नियमित आमदनी का जरिया बनी थी, उन्हें अब दूसरे रोजगार की तलाश करनी पड़ रही है।

गौठानों में खरीदे गए गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार करने की व्यवस्था की गई थी। इसमें महिला समूहों और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी रहती थी। गोबर संग्रह से लेकर खाद निर्माण और बिक्री तक एक स्थानीय रोजगार श्रृंखला तैयार हुई थी। गोबर खरीदी बंद होने से इस पूरी व्यवस्था पर भी असर पड़ा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि योजना के तहत जिले में कितनी राशि खर्च हुई, कितने गौठान बनाए गए और वर्तमान में कितने गौठान सक्रिय हैं। कितने गौठान अनुपयोगी हैं, इसका स्पष्ट आंकड़ा भी सार्वजनिक किया जाना जरूरी है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन जमीनी सवाल यह है कि सरकारी राशि से तैयार की गई परिसंपत्तियों का वर्तमान में उपयोग किस तरह हो रहा है। यदि गौठान और वहां विकसित संसाधन उपयोग में नहीं हैं तो उनके रखरखाव और भविष्य की कार्ययोजना क्या है?

पहले से निर्मित गौठानों को किसी नई अथवा मौजूदा ग्रामीण आजीविका योजना से जोड़कर उनका उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। इससे सरकारी निवेश को बचाने के साथ ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी बनाए जा सकते हैं।

अब जरूरत इस बात की है कि शासन स्तर पर गौठानों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और अनुपयोगी पड़ी अधोसंरचना के लिए स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए। इससे न केवल सरकारी संपत्ति का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है।

सड़क किनारे लगे पसरे पर अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री साय, खरीदा 'आशीर्वाद का दीया'

■ तेलीबांधा मरीन ड्राइव में मिट्टी के दीये बेच रही मीरा से मुख्यमंत्री ने की आत्मीय बातचीत, एक हजार रुपए देकर किया उसके श्रम और स्वावलंबन का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव में सड़क किनारे पसरा लगाकर मिट्टी के दीये बेच रही मीरा के लिए आज का दिन अचानक बेहद खास बन गया। रोज की तरह वह अपने छोटे से पसरे पर दीये सजाकर ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का काफिला अचानक उसके पसरे के पास जाकर रुक गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मीरा के पसरे पर रखे मिट्टी के दीयों को देखा और 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए वहीं से एक दीया खरीदा। मुख्यमंत्री ने महिला को एक हजार रुपए प्रदान किए। मुख्यमंत्री का यह सहज भाव स्थानीय स्तर पर छोटे व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित करने वाली मीरा के श्रम, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सम्मान का सुंदर संदेश भी दे गया।

मुख्यमंत्री का सड़क किनारे लगे छोटे से पसरे पर अचानक पहुंचना आसपास मौजूद लोगों के लिए भी सुखद आश्चर्य का अवसर बन गया। बिना किसी औपचारिकता के मुख्यमंत्री ने मीरा से उसके कामकाज और परिवार का हालचाल पूछा।

बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मीरा से पूछा कि उसे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री के सवाल पर मीरा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उसका बैंक खाता खुल चुका है। उसने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उसे हर महीने एक हजार रुपए की राशि प्राप्त हो रही है।

महिला के मुंह से योजनाओं का लाभ मिलने की बात सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक सीधे पहुंचे, उसे संबल दे और उसके जीवन को बेहतर बनाने में सहायक बने। शासन की प्राथमिकता यही है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पूरी सहजता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक समावेशन का मजबूत आधार तैयार किया है। बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने के कारण आज विभिन्न योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों तक पहुंच रही है।

जगदलपुर में जायका ऑटोमोबाइल्स का भव्य 'मेगा कस्टमर मीट एंड ग्रीट' संपन्न

■ 450 से अधिक कमर्शियल वाहन मालिक हुए शामिल।

जगदलपुर (विश्व परिवार)। मध्य भारत के प्रतिष्ठित और विश्वसनीय ऑटोमोबाइल समूह जायका ऑटोमोबाइल्स एंड फइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल डीलरशिप) द्वारा शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को अपने नए शोरूम परिसर में एक भव्य 'मेगा कस्टमर मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। शोरूम के उदघाटन के एक महिने पूरे होने के उपलक्ष्य में सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में 450 से अधिक कमर्शियल वाहन ग्राहक और 100 से अधिक कर्मचारी शामिल हुए। वरिष्ठ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम की शुरुआत जायका ग्रुप के डायरेक्टर श्री रोहित काले एवं उनके सुपुत्र श्री कौस्तुभ काले, सेल्स जी.एम. श्री सुशील त्रिपाठी, टाटा मोटर्स के स्टेट सर्विस हेड श्री कनिष्क सोनी, टी.एस.एम. श्री तन्मय जैजु, बस्तर परिवहन संघ के अध्यक्ष श्री प्रदीप पाठक और जय झारेश्वर परिवहन संघ के अध्यक्ष श्री बनमाली नाग द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन की गई।

शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: राष्ट्रगीत और ऐतिहासिक मधुर गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' की गूंज के साथ कार्यक्रम ने रफ्तार पकड़ी। जायका ऑटोमोबाइल की महिला कर्मचारियों ने दक्षिण भारत और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक नृत्यों की बेहद खूबसूरत प्रस्तुति दी। साथ ही, रायपुर से आए प्रसिद्ध गायक (जो कुमार सानू की आवाज और शैली के लिए जाने जाते हैं) और महिला गायिका ने अपनी सुरीली कला से उपस्थित सभी अतिथियों का दिल जीत लिया। पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

72 वर्षों का अटूट विश्वास और सेवा का संकल्प: भारत में टाटा मोटर्स ने 1954 में कमर्शियल वाहनों का व्यवसाय शुरू किया था, और तभी से (1954) जायका ऑटोमोबाइल्स ने नागपुर व विदर्भ में इसकी डीलरशिप संभाली। साल 1955 में दुर्ग में डीलरशिप की शुरुआत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जायका ग्रुप के डायरेक्टर श्री रोहित काले जी ने समूह की इस ऐतिहासिक सफलता का पूरा श्रेय पिछले 72 सालों से जुड़े ग्राहकों को दिया। उन्होंने दोहराया कि जगदलपुर के इस नए डीलरशिप में भी 'ग्राहक सेवा और पूर्ण संतुष्टि' ही जायका ग्रुप का मूल मंत्र रहेगा।

अभियंता दिवस पर नगर निगम में कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। अभियंता दिवस के अवसर पर आज मंगलवार 15 सितम्बर 2026 को नगर निगम के कार्यपालन अभियंता कक्ष में आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त सहित कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खांडे,कार्यपालन अभियंता (संविदा) श्री यू.के.रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम एवं निगम के इंजीनियरों ने भारत रत्न श्री मोक्षगुणम विश्वेस्वरैय्या के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर पूजा अर्चना किये और एक दूसरे को अभियंता दिवस की बधाई दिये।

कार्यक्रम में अभियंता दिवस की शुभकामनाएं देते हुये आयुक्त श्री मरकाम ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया ने आधुनिक भारत में बांध, जलाशय और जल विद्युत परियोजना के निर्माण में महती भूमिका निभाई थी। साथ ही उन्होने मैसूर सरकार के साथ मिलकर कई शैक्षणिक संस्था और कारखानों की स्थापना करवाई थी, उनके योगदानों को देखते हुये सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न से सम्मानित किया था। उन्ही की याद में हम आज अभियंता दिवस मना रहे है। उन्होने कहा कि, सभी तकनीकी अधिकारियों को उनके कार्यो का अनुसरण कर कार्य करना चाहिये, तभी अभियंता दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

कार्यपालन अभियंता श्री खांडे एवं रामटेके ने भी अभियंता दिवस की बधाई देते हुए उनके द्वारा किये कार्यो का अनुसरण करने की अपील की।

भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल बलौदाबाजार का मासिक बैठक एवं कार्यशाला संपन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल बलौदाबाज़ार का मासिक बैठक जिला कार्यालय में दिन शुक्रवार को संपन्न हुआ जिसमे मुख्य वक्ता विजय केशरवानी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनितिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों कार्यक्रमों एवं कार्यकर्त्ताओ कि भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी कार्यकर्ताओ से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रीय सहभागिता की अपील की।

मंडल के प्रभारी शिव कटरिया ने अपने संबोधन में मंडल स्तर पर सभी कार्यकर्ताओ से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रीय भूमिका निभाने को कहा और प्रधान मंत्री जी के 25 वर्षो के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा को समर्पित करते हुए पुरे देश में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित करेगी तथा मंडल स्तर पर अभियान की शुरुआत 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने से होगी। इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम जागरूकता गतिविधियां तथा केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओ की जानकारी आम लोगो पर तक पहुँचाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करने वालो में जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नीलम सोनी, खोड़स राम कश्यप, नरेश केसरवानी, ने भी कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष राकेश ध्रुव, महामंत्री महेंद्र साहू, नेतराम साहू, संतोष पटेल, पार्षद रोहित साहू, पार्षद जितेन्द्र डडसेना, मंजू सोनी, सरिता मार्के, लता टंडन, मनीष कश्यप, नीरज सोनी, तरुण वर्मा, आलोक बघेल, भगवानी ध्रुव, धरम चतुर्वेदी, केशकुमार जायसवाल, जामवंत वर्मा, ओमप्रकाश सेन, अमित वर्मा, संतोष देवांगन, सहित भाजपा कार्यकर्त्ता एवं भाजपा पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर में डिजिटल ई-ऑफरिंग मशीन स्थापित की

बैकुंठपुर (विश्व परिवार)। डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने की दिशा में पहल करते हुए इंडियन ओवरसीज बैंक, बैकुंठपुर शाखा द्वारा श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर, प्रेमाबाग, बैकुंठपुर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए डिजिटल ई-ऑफरिंग (क्यूआर) मशीन स्थापित की गई। इस सुविधा के शुरू होने से अब मंदिर में आने वाले श्रद्धालु यूपीआई, क्यूआर कोड एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से दान कर सकेंगे। डिजिटल दान की व्यवस्था से श्रद्धालुओं को नकद राशि रखने की आवश्यकता नहीं होगी तथा दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी दान करने में सुविधा मिलेगी।

इंडियन ओवरसीज बैंक की इस पहल का उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर भी डिजिटल बैंकिंग एवं कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा देना तथा आमजन को सरल, सुरक्षित और पारदर्शी डिजिटल भुगतान व्यवस्था से जोड़ना है। डिजिटल ई-ऑफरिंग मशीन का शुभारंभ मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं इंडियन ओवरसीज बैंक के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बैंक की ओर से श्रद्धालुओं को डिजिटल माध्यम से दान करने की प्रक्रिया एवं इसके लाभों की जानकारी भी दी गई। श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर बैकुंठपुर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर में डिजिटल ई-ऑफरिंग सुविधा शुरू होने से श्रद्धालुओं के लिए दान की प्रक्रिया अब और अधिक सरल एवं सुविधाजनक हो गई है।

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो: सपनों का घर बुक करें और पाएं रजिस्ट्री-स्टाम्प ड्यूटी पर सीधे 50% की बंपर छूट

■ 18 से 20 सितंबर तक राजधानी के इंडोर स्टेडियम में सजेगा एक्सपो, तैयारियां लगभग पूरी

CREDAI CHHATTISGARH PROPERTY EXPO 26

रायपुर (विश्व परिवार)। बड़ी छूट का बड़ा फायदा उठाने बेताब हैं प्रापर्टी बायर्स। राजधानी रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों में 'क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो' को लेकर भारी उत्साह है। इसका मुख्य कारण यह है कि एक ही प्लेटफॉर्म पर समूचे राज्य की प्रॉपर्टी से जुड़ी संपूर्ण जानकारी मिल जाएगी। इसके साथ ही, अब लोगों के अपने शहर के बिल्डर्स भी इस एक्सपो में हिस्सा ले रहे हैं।

चूंकि 18 से 20 सितंबर तक रायपुर के इंडोर स्टेडियम में क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन होना है और अब केवल दो दिन ही शेष बचे हैं, इसलिए तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी हैं और उन्हें अंतिम रूप (फाइनल टच) दिया जा रहा है। एक्सपो अवधि के तीन दिनों के दौरान बुकिंग करने पर रजिस्ट्री और स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी छूट की बड़ी सौगात पहली बार दी जा रही है। इस ऑफर की जानकारी मिलने के बाद बिल्डर्स के पास प्रॉपर्टी बायर्स की जैसी इन्क्वायरी आ रही है, उससे लगता है कि यह एक्सपो भी इतिहास रचेगा और इस फेस्टिव सीजन प्रॉपर्टी सेक्टर में बूम लेकर आएगा।

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो के संदर्भ में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमैन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत, आईपीपी संजय रहेजा, कोषाध्यक्ष आयुष मोदी, प्रोग्राम चेयरमैन अशोक मूंदड़ा और प्रतीक केवलानी ने बताया कि क्रेडाई से संबद्ध 50 बिल्डर्स 250 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स लेकर इसमें शामिल हो रहे हैं। ग्राहकों को कई नए प्रोजेक्ट्स से भी रूबरू होने का अवसर मिलेगा। आप जिस बजट और लोकेशन में प्रॉपर्टी चाहेंगे, वह आपको यहां मिलेगी। बिल्डर्स ने अपने स्टॉल पर हर छोटी-बड़ी जानकारी देने की पूरी तैयारी कर ली है।

उन्होंने कहा, 'कस्टमर्स के आर्थिक नजरिए को ध्यान में रखते हुए हम पहली बार उन्हें एक बड़ी बचत देने जा रहे हैं, जिससे उनकी खरीदारी आसान हो जाएगी। इसी उद्देश्य से इस बार एक्सपो में बुकिंग करने पर रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट दी जाएगी, जिसे बिल्डर्स अपनी ओर से वहन करेंगे। वहीं, सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ भी उन्हें यथावत मिलते रहेंगे।' एक्सपो में बेस्ट प्रोजेक्ट, बेस्ट लोकेशन, अफोर्डेबल बजट और फाइनेंस की सुविधाओं को इतने आसान ढंग से पेश किया जा रहा है कि अपने घर का सपना लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं होना पड़ेगा।

नवागांव पानी टंकी की होगी सफाई, आज शाम नवागांव मोतीपुर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा बारिश में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने सभी पानी टंकियो कि सफाई कराई जा रही है। इसी कडी में नवागांव पानी टंकी (क्षमता 19.50 लाख लीटर) की कल सफाई की जानी है, जिसके कारण नवागांव पानी टंकी (क्षमता 19.50 लाख लीटर) स्थित उच्च स्तरीय जलागार नहीं भर पायेगा। इस वजह से उक्त टंकी से कल दिनांक 16 सितम्बर 2026 दिन बुधवार को शाम के समय पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। 17 सितम्बर गुरूवार की सुबह से सप्लाई यथावत रहेगी।

पानी टंकी सफाई के संबंध में नगर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने बताया कि नागरिको को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हर 6 माह में टंकियो की सफाई कराई जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में बारिश में शुद्ध पानी देने महापौर श्री मधुसूदन यादव के निर्देश पर शहर के सभी पानी टंकियो की सफाई कराने का कार्य शुरू किया गया है। इसी कडी में कल दिनांक 16 सितम्बर बुधवार को नवागांव पानी टंकी की सफाई की जानी है। सफाई करने के कारण उक्त टंकी नही भर पाईगी, जिससे बुधवार शाम के समय की सप्लाई बाधित होगी। पूर्व में उक्त टंकी की सफाई 6 जनवरी 2026 को की गयी थी, अब पुनः आज सफाई कराई जा रही है।

आयुक्त ने बताया कि नवागांव पानी टंकी (क्षमता 19.50 लाख लीटर) सप्लाई क्षेत्र नवागांव, बापूटोला, बिड़ी श्रमिक कालोनी, मोतीपुर, नया ढाबा, रामनगर,आधा क्षेत्र में कल 16 सितम्बर बुधवार की शाम को पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी, 17 सितम्बर गुरूवार को सुबह समय में पेयजल सप्लाई यथावत होगी। उन्होंने नागरिकों से असुविधा के लिये खेद व्यक्त करते हुये सहयोग करने की अपील की है।

पीएम मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल और जन्मदिवस पर दीये जलाने की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगामी 17 सितंबर को जन्मदिवस और सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल पूर्ण होने के पावन अवसर पर प्रदेशभर में उत्साह का माहौल है। इस अवसर को खास बनाने और प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना के लिए राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर की संध्या अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की अपील की है। माटी के शिल्पकारों को संबल देने और 'जनभागीदारी' का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से मंत्री श्री वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के तिल्दा क्षेत्र स्थित मोहभट्ठा पारा पहुंचकर स्थानीय कुम्हारों से स्वयं मिट्टी के दीप खरीदे। इस दौरान उन्होंने वोकल फॉर लोकल के भाव को आत्मसात करते हुए स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रसेवा और समर्पण का प्रतीक

मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और अंतिम व्यक्ति के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके 25 वर्षों का सेवाकाल त्याग, निष्ठा और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है।

तारा क्षेत्र के जंगल आदिवासियों के जीवन आधार, भाजपा सरकार ने उसको नीलाम कर दिया: बघेल

■ 2024 और 2025 के पीएससी घोटाले की जांच कौन करेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हसदेव अरण्य क्षेत्र में तारा कोल ब्लॉक की नीलामी किया है, यह क्षेत्र आदिवासियों का जीवन आधार है। हसदेव, बांगो बांध इस इलाके का जीवनदायिनी है, यहां पर यदि उत्खनन होता है तो इस क्षेत्र में लाखों पेड़ काटे जायेंगे तथा यहां का पर्यावरण प्रभावित होगा। हमारी सरकार ने लेमरू एलीफेंट अभ्यारण्य के लिए 1950 वर्ग किमी क्षेत्र को संरक्षित किया था। बेहद चिंता का विषय है कि साय सरकार ने खुद होकर केंद्र को पत्र लिख कर तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए पत्र लिखा। एक आदिवासी मुख्यमंत्री होकर आदिवासियों और जंगल के हित का ध्यान न रख कर अडानी के हितों का ख्याल रख रहे है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हसदेव अरण्य क्षेत्र के तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए साय सरकार ने कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा था। यह पत्र 11 दिसंबर 2025 को साय सरकार ने लिखा था। हमारी सरकार ने 23 जून 2023 को तारा सहित 9 कोल ब्लाको को नीलामी से अलग रखने के लिए पत्र लिखा था। भाजपा बताये कि उनकी सरकार ने तारा कोल ब्लॉक नीलामी के लिए अनुशंसा क्यों किया था? कांग्रेस की सरकार के समय 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर मांग की थी कि हसदेव-अरण्य में अब किसी भी कोल ब्लॉक का आवंटन या नीलामी न की जाए। 16 जुलाई 2023 को कांग्रेस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट रूप से कहा था कि हसदेव-अरण्य में किसी भी नई खदान के आवंटन या विकास की कोई आवश्यकता नहीं है। 19 अक्टूबर 2023 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने तारा सहित 40 कोल ब्लॉक्स को नीलामी प्रक्रिया से वास्तव में डी-नोटिफाई कर दिया था।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि तारा कोल ब्लाक लगभग 5000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें से 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों को पूरी तरह काट दिया जाएगा। लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होगी, जिससे भारत के राष्ट्रीय धरोहर पशु हाथी के आवाजाही के रास्ते पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि हाथियों की संख्या में कमी का संकट पहले से ही बना हुआ है। कई अन्य प्रजातियां भी इससे और अधिक खतरे में पड़ जाएंगी।

'व्यापारी हितों के मजबूत प्रहरी अमर पारवानी को कैट दिल्ली प्रदेश प्रभारी का दायित्व'

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने संगठन के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एवं अनुभवी नेतृत्वकर्ता माननीय अमर पारवानी जी को कैट दिल्ली का प्रदेश प्रभारी नियुक्त कर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनके इस नवीन दायित्व से दिल्ली के व्यापारिक संगठनों एवं व्यापारी समुदाय में उत्साह का माहौल है।

व्यापारी हितों के लिए लंबे समय से निरंतर सक्रिय श्री अमर पारवानी जी को संगठनात्मक कार्यों, व्यापारियों की समस्याओं की प्रभावी पैरवी तथा सरकार और व्यापारिक समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का व्यापक अनुभव है। ऐसे में कैट दिल्ली प्रदेश प्रभारी के रूप में उनकी नियुक्ति को संगठन को नई गति और नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नवीन जिम्मेदारी के साथ श्री पारवानी जी का प्रमुख फोकस दिल्ली के व्यापारियों को एकजुट करने, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सामने लाने तथा केंद्र सरकार एवं संबंधित विभागों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने पर रहेगा।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 16 सितम्बर 2026

उरकुरा गेट रेलवे समपार क्र.415 गेट को बंद करने के संबंध में

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में रेलवे उरकुरा - रायपुर स्टेशनों के मध्य समपार क्रमांक 415 (कि.मी. 824/39 - 41) में अप लाइन अति आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु दिनांक 16.09.2026 को सुबह 08.00 बजे से आगामी आदेश तक, जो कि सामान्यत: दिनांक 18.09.2026 को सुबह 08.00 बजे तक बंद रहने की संभावना है। अत: अतिआवश्यक मरम्मत कार्य हेतु समपार सड़क आवागमन बंद करना आवश्यक है।

नुआखाई समृद्ध कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाता के परिश्रम का उत्सव : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- मुख्यमंत्री ने नुआखाई पर्व की दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई फसल के स्वागत और प्रकृति के अनुपम उपहार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अन्नदाता किसानों की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और सभी परिवारों की खुशहाली की मंगलकामना की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई समृद्ध कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई फसल के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसान के अथक परिश्रम के प्रति आदर का भाव प्रकट करता है। खेतों में उपजी नई फसल केवल किसान की मेहनत का प्रतिफल नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा और हमारी कृषि प्रधान संस्कृति की समृद्धि का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हमारे अनेक पर्व और परंपराएं कृषि चक्र, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई अपनी मिट्टी, अपनी जड़ों और अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक आत्मीयता, पारिवारिक एकजुटता और आपसी सद्भाव को भी मजबूत करता है। नई फसल की खुशियां जब परिवार और समाज मिलकर साझा करते हैं, तब लोकसंस्कृति और अधिक जीवंत तथा समृद्ध होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नुआखाई के पावन अवसर पर कामना करते हुए कहा कि प्रकृति की कृपा छत्तीसगढ़ पर सदैव बनी रहे। हमारे किसान साथियों के खेत हरे-भरे और फसलों से लहलहाते रहें, अन्न के भंडार भरें तथा अन्नदाताओं के घर-आंगन में समृद्धि आए। प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का संचार हो तथा आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव निरंतर मजबूत होता रहे।

नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति और सामाजिक एकता का पर्व : पुरन्दर मिश्रा

- नुआखाई पर्व अन्न के प्रति कृतज्ञता और किसान के सम्मान का संदेश : पुरन्दर मिश्रा
- नुआखाई हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक : पुरन्दर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में नुआखाई पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पंडित जी द्वारा प्रभु श्री जगन्नाथ जी की विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई गई। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को प्रणाम कर नुआखाई पर्व की शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात नव अन्न (पहली फसल) ईष्ट देवता को अर्पित कर प्रसाद स्वरूप अन्न ग्रहण किया गया।

इस अवसर पर रायपुर नगर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता का पर्व है। यह पर्व हमें अन्न के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और किसान के परिश्रम का सम्मान करने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना है कि नुआखाई का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

विधायक मिश्रा ने प्रदेशवासियों सभी बंधुओं को नुआखाई पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बालको मेडिकल सेंटर के चौथे वार्षिक बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव में शामिल होंगे देश-दुनिया के कैंसर विशेषज्ञ

रायपुर (विश्व परिवार)। मध्य भारत में कैंसर उपचार के क्षेत्र में अग्रणी बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) द्वारा चौथा बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव 18 से 20 सितंबर 2026 तक मेफेयर लेक रिजॉर्ट्स, नया रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के साथ चूजिंग वाइजली इंडिया की सातवीं बैठक भी आयोजित होगी, जो ईकैंसर, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई और नेशनल कैंसर ग्रिड के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

इस वर्ष कॉन्क्लेव की थीम 'कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना' है। इसमें मुख्य रूप से स्तन कैंसर, स्त्री रोग संबंधी कैंसर और मूत्र-जनन तंत्र के कैंसर पर चर्चा होगी। उपचार के सही विकल्प चुनने और मरीज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मरीज-केंद्रित उपचार को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विभिन्न सत्रों में अनावश्यक उपचार से बचने, उपचार से जुड़े निर्णयों में मरीज की भागीदारी सुनिश्चित करने और दुनिया भर में उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों को भारत में रोजमर्रा के कैंसर उपचार में प्रभावी रूप से अपनाने पर चर्चा होगी।

वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही ने कहा, कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना का अर्थ मरीजों को उनके घर के करीब बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना भी है। जब देश और दुनिया के विशेषज्ञ क्षेत्रीय कैंसर विशेषज्ञों के साथ एक मंच पर आते हैं, तो ज्ञान और अनुभव साझा करने के साथ बेहतर चिकित्सा पद्धतियों से सीखने और स्थानीय स्तर पर उपचार की क्षमता बढ़ाने का अवसर मिलता है। नया रायपुर में कैंसर विशेषज्ञों का एक साथ आना हमारे लिए बेहद उत्साहजनक है और ऐसे मंचों के महत्व को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, कैंसर उपचार की क्षमता को मजबूत करने के साथ अगली पीढ़ी के विशेषज्ञों को तैयार करना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष हम देशभर के 50 युवा डॉक्टरों को यात्रा सहायता देते हैं, ताकि वे कॉन्क्लेव में शामिल होकर इस क्षेत्र के श्रेष्ठ विशेषज्ञों से सीख सकें और अपने ज्ञान व कौशल को मजबूत कर सकें।

कॉन्क्लेव में यूके, अमेरिका, यूएई, नेपाल, श्रीलंका, इजराइल, बेल्जियम, कनाडा और स्विट्जरलैंड से 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। इनके साथ देशभर से 200 से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कैंसर विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। विशेषज्ञ कैंसर उपचार, चिकित्सा अनुसंधान, सटीक कैंसर उपचार, रेडिएशन, सर्जरी और नई चिकित्सा तकनीकों से जुड़े विषयों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। तीन दिनों के दौरान 20 से अधिक परिचर्चाएं, बहु-विषयक सत्र, वाद-विवाद और वास्तविक मरीजों के मामलों पर आधारित चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। इसमें स्तन कैंसर की लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी शामिल होगा।

साथ ही विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी, चिकित्सा अनुसंधान और क्लिनिकल ट्रायल की रूपरेखा, आनुवंशिक जांच और सटीक कैंसर उपचार, कैंसर की पैथोलॉजी, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई तथा नई पीढ़ी की न्यूक्लियर मेडिसिन और थेरानोस्टिक्स जैसे विषय शामिल होंगे।

कॉन्क्लेव में वीमेन फॉर ऑन्कोलॉजी की नेटवर्किंग और मार्गदर्शन बैठक भी आयोजित होगी। इसमें कैंसर उपचार के क्षेत्र में कार्यरत महिला विशेषज्ञों को एक-दूसरे से जुड़ने, अपने अनुभव साझा करने, सहयोग बढ़ाने और नेतृत्व व मार्गदर्शन के अवसर तलाशने का मंच मिलेगा।

शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ बीएमसी की ओर से 'कैनवास फॉर ए लाइफ' नाम से कला और विरासत प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी बीएमसी चैरिटेबल फंड के समर्थन में होगी। यह फंड जरूरतमंद मरीजों को उपचार, जांच और पोषण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उपचार के दौरान आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं में भी सहयोग करता है।

द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल में स्पिक मैके कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल परिसर में स्पिक मैके (SPIC MACAY) के तत्वावधान में भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक मनमोहक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य कलाकार एवं प्रसिद्ध मोहिनीअट्टम नृत्यांगना श्रीमती मंजुला मूर्ति ने अपनी भावपूर्ण एवं मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ श्री सदनम साई कुमार ने गायन, कलामंडलम अजीत कुमार ने मद्दलम तथा कलामंडलम सुभीश ने इडक्का वाद्य पर संगत प्रदान की। कलाकारों की प्रस्तुति ने विद्यार्थियों एवं कैडेट्स को केरल की शास्त्रीय कला, उसकी गरिमा, अनुशासन और आध्यात्मिक भाव से परिचित कराया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की विविध एवं समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के अंत में हेड गर्ल मान्या सिंह ने विद्यालय की ओर से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कलाकारों के सम्मान एवं कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप प्रधानाचार्य एवं उप-प्रधानाचार्य द्वारा उन्हें श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की गई।

कार्यक्रम का समापन गरिमापूर्ण वातावरण में हुआ और उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं अतिथियों के मन में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति सम्मान और गौरव की भावना और अधिक प्रबल हुई।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील पहल से 48 घंटे में दिव्यांग रनिया सिंह को मिली ट्राई साइकिल

- समस्या पर तत्काल संज्ञान लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश, अब आवागमन में नहीं होगी दूसरों पर निर्भरता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी सोच और जरूरतमंदों तक योजनाओं का त्वरित लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता का संवेदनशील उदाहरण सूरजपुर जिले में सामने आया है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से विकासखंड ओड़गी के ग्राम इन्द्रपुर निवासी दिव्यांग सुश्री रनिया सिंह को आवेदन प्रस्तुत करने के महज 48 घंटे के भीतर ट्राई साइकिल उपलब्ध करा दी गई। मंत्री की संवेदनशील पहल से अब सुश्री रनिया सिंह के लिए आवागमन आसान होने के साथ ही आत्मनिर्भरता की राह भी सुगम हुई है।

ग्राम इन्द्रपुर निवासी सुश्री रनिया सिंह पिता श्री मानसाय सिंह, शारीरिक रूप से चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर थी । उनकी समस्या की जानकारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तक पहुंची। मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मंत्री के निर्देश मिलते ही समाज कल्याण विभाग, सूरजपुर द्वारा आवश्यक प्रक्रिया को त्वरित गति से पूरा किया गया और महज 48 घंटे के भीतर ट्राई साइकिल हितग्राही सुश्री रनिया सिंह को उपलब्ध करा दी गई। इस त्वरित कार्रवाई से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट हुई है।

ट्राई साइकिल मिलने पर सुश्री रनिया सिंह और उनके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब रोजमर्रा के कामों और जरूरी आवागमन के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ट्राई साइकिल उनके लिए सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बनेगी।

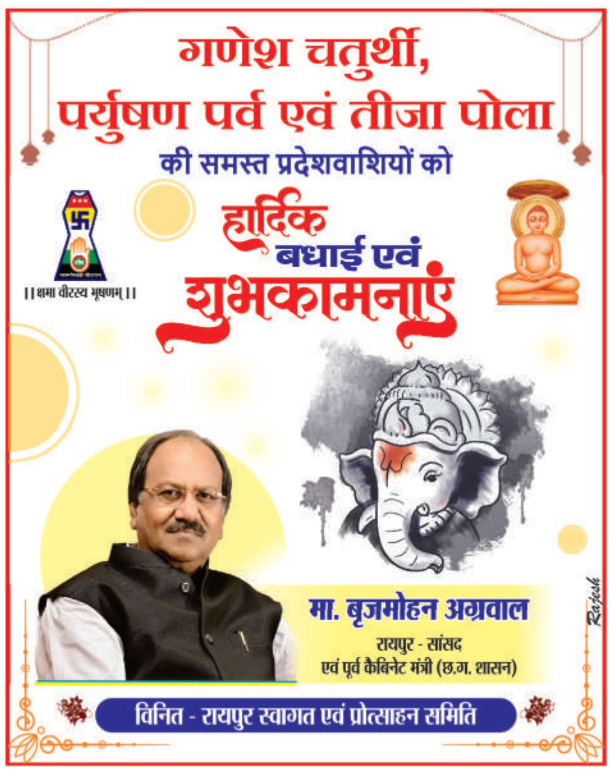

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354